छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 201 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 04 अगस्त 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

कलेक्टोरेट में लगा सीईओ हटाओ-जनपद बचाओ का नारा

सरपंच संघ ने कलेक्टर को दिया 7 दिन का अल्टीमेटम, नहीं तो करेंगे उग्र आंदोलन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जनपद पंचायत अंबिकापुर के सरपंच संघ ने ग्राम पंचायत सरईटिकरा के सरपंच एवं संघ के अध्यक्ष रामसाय मिंज के खिलाफ चिताबहार वसूली प्रकरण में की गई कार्रवाई को 'प्रतिशोधात्मक' बताते हुए कलेक्टर को 7 दिन का अल्टीमेटम दिया है। संघ ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जनपद के सीईओ राजेश सिंह सेंगर को तत्काल भारमुक्त किया जाए। अन्यथा जनपद पंचायत अंबिकापुर के सभी सरपंच लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेंगे। सोमवार को जनपद अंबिकापुर के अधीन ग्राम पंचायतों के सरपंच एकजुट होकर सीईओ हटाओ-जनपद बचाओ का नारा लगाते कलेक्टोरेट पहुंचे, और जमकर आक्रोश प्रदर्शन किया।

कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में सरपंच संघ ने आरोप लगाया है कि, पिछले वर्ष सीईओ राजेश सिंह सेंगर को हटाने की मांग को लेकर हुए आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने के कारण रामसाय मिंज को निशाना बनाया गया है। संघ का कहना है कि ग्राम पंचायत चिताबहार के वसूली प्रकरण में रामसाय मिंज का कोई लेना-देना नहीं था, फिर भी उनका नाम जान-बूझकर जोड़ा गया। संघ ने इसे व्यक्तिगत वैमनस्य के तहत की गई कार्रवाई बताया और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग की। संघ के अनुसार वर्ष 2025 में राजेश सिंह सेंगर को हटाने के लिए सरपंचों ने आंदोलन किया था। उस समय रामसाय मिंज संघ के अध्यक्ष के रूप में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। आरोप है कि इसी कारण उन्हें चिताबहार प्रकरण में फंसाया गया। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष जय सिंह कुरूम, ब्लॉक अध्यक्ष राम साय मिंज, जनपद अध्यक्ष विक्रम सोन पाकर, उपाध्यक्ष सतीश यादव, जिला पंचायत सदस्य अनीमा केरकेट्टा, उपसरपंच संघ जिला अध्यक्ष राजू पाण्डेय सहित जिले के जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्थानांतरण के बाद भी भारमुक्त नहीं

सरपंच संघ के अध्यक्ष ने कहा कि, 30 जून को राजेश सिंह सेंगर का स्थानांतरण सीईओ जनपद पंचायत रामानुजनगर, जिला सूरजपुर के पद पर हो चुका है, लेकिन एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी उन्हें अंबिकापुर से भारमुक्त नहीं किया गया है। संघ ने कहा कि सेंगर के करीब ढाई साल के कार्यकाल में ग्राम पंचायतों पर अनावश्यक दबाव, जांच के नाम पर परेशान करने और अवैध वसूली की शिकायतें लगातार मिलती रही हैं। उन्होंने कलेक्टर से स्थानांतरण आदेश का तत्काल पालन कराने, ग्राम पंचायतों की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ पारदर्शी व्यवहार सुनिश्चित करने की मांग की है।

भयमुक्त काम करने का मिले अवसर

संघ के जिलाध्यक्ष जय सिंह कुरूम ने कहा कि, सीईओ के द्वारा पंचायत के आदिवासी जनप्रतिनिधियों को जांच के दायरे में लाकर दबाव बनाने की कोशिश की जाती रही है। जिन पंचायतों के प्रतिनिधि इनकी अनुचित मांगों को स्वीकार नहीं करते हैं, किसी प्रकार का मतभेद रहता है, वहां लगातार जांच के लिए अधिकारी भेजे जाते हैं। इससे निर्वाचित प्रतिनिधियों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनका उद्देश्य किसी अधिकारी के प्रति दुर्भावना नहीं, बल्कि पंचायतों को भयमुक्त और निष्पक्ष वातावरण में काम करने का अवसर देना है। ज्ञापन में कहा गया है कि, यदि 7 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो जनपद अंबिकापुर के सभी सरपंच आंदोलन करने बाध्य होंगे, इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

कैबिनेट मंत्री ने 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का शुभारंभ किया

'कहा-व्यसनी को अपराधी नहीं, बीमार मानकर करें व्यवहार'

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा दादी प्रकाशमणि की पावन स्मृति में चलाए जा रहे 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के अंतर्गत नशामुक्त भारत अभियान का सरगुजा संभाग स्तरीय शुभारंभ शनिवार को नव विश्व भवन अंबिकापुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने ब्रह्माकुमारीज अंबिकापुर सेवाकेंद्र की संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी विद्या, एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। कैबिनेट मंत्री ने ब्रह्माकुमारी अहिल्या को कलश एवं संजू को झंडा प्रदान कर अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि, युवा विकसित भारत के स्वप्न के आधार हैं, परंतु आज युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति हम सभी के लिए घोर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा हमें स्वयं भी नशे से बचना है, जो लोग नशा कर रहे हैं उन्हें अपराधी नहीं बीमार जैसा व्यवहार करके नशे के चंगुल से मुक्त कराना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान से जुड़कर नशा मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने का आव्हान किया। ब्रह्माकुमारी विद्या ने बताया कि संस्थान द्वारा देशभर में 10 करोड़ लोगों से स्वयं नशा न करने और दूसरों को न करने देने की प्रतिज्ञा कराई जाएगी। इसके लिए संभाग के 250 से अधिक विद्यालयों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों, कार्यालयों एवं ग्रामों में नुक्कड़ नाटक, प्रेरणादाई उद्बोधन एवं अन्य माध्यमों से जागरूकता फैलाई जाएगी। सरगुजा संभाग में 1 लाख लोगों से प्रतिज्ञा कराने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा हमारा शरीर भी एक मंदिर है, जिसमें आत्मा रूपी देवता विराजमान हैं, इसलिए इसे नशे का भोग नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने राजयोग मेडिटेशन को नशा मुक्ति का कारगर उपाय बताते हुए उपस्थित जनसमूह से नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा भी करवाई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने कहा कि आधुनिकता के नाम पर युवाओं को गलत दिशा में धकेला जा रहा है। उन्होंने आम नागरिकों से नशे से संबंधित गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। आर्ट ऑफ लिविंग के अजय तिवारी ने सोशल पैरेंटिंग और ध्यान-मेडिटेशन को नशे से मुक्ति का मूल मंत्र बताया। कार्यक्रम में शैलेंद्र प्रताप सिंह, शैलेश सिंह, मंगल पाण्डेय एवं वंदना दत्ता ने भी विचार रखे। सहायक पुलिस अधीक्षक राकेश बघेल ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान स्कूली विद्यार्थियों ने नशे के दुष्प्रभाव पर आधारित नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की। ब्रह्माकुमारी रेखा बहन ने प्रेरणादाई गीत एवं साहित्यकार संतोष दास सरल ने युवा की परिभाषा, कविता सुनाकर युवाओं में जोश भरा। कार्यक्रम का सफल संचालन ब्रह्माकुमारी ममता ने किया।

प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने पति को पीटा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की पिटाई कर दी। पति ने अपनी पत्नी व उसके प्रेमी के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार, प्रह्लाद यादव ग्राम लुरैना का रहने वाला है, उसकी पत्नी बिफईया यादव करीब 15 दिन पहले बिना बताए घर छोड़कर चली गई थी। बाद में पता चला कि वह ग्राम परपटिया चोटईयापारा निवासी पारस यादव के साथ रह रही है। 30 जुलाई की सुबह करीब 7.30 बजे वह अपने परिचित जमुना यादव और कृष्णा यादव के साथ पारस यादव के घर में बातचीत और फैसला कराने जा रहा था। रास्ते में पारस यादव मिल गया। प्रह्लाद ने उससे पत्नी के संबंध में बात करके आपसी समझौते का आग्रह किया। इस पर पारस यादव भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा। इसी दौरान प्रह्लाद की पत्नी भी वहां पहुंच गई, इसके बाद वह प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति से गालीगलौज और मारपीट करने लगी। पारस यादव ने उस पर पत्थर से हमला कर दिया, जिससे उसके बाएं हाथ की हथेली में चोट आई है। साथ गए जमुना व कृष्णा यादव ने बीच-बचाव किया।

कटघोरा-अंबिकापुर फोरलेन, कलेक्टर ने कहा-एलाइनमेंट की प्रक्रिया में तेजी लाएं

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का करें त्वरित निराकरण, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने सोमवार को जिला कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में विभागों के लंबित प्रकरणों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में एपीजी (नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप) परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित 4-लेन कटघोरा-अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग-130 के एलाइनमेंट के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर ने परियोजना के प्रभावी प्रस्तुतीकरण एवं आवश्यक अनुमोदनों की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए एनएचएआई, जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने कहा। परियोजना से जुड़े आवश्यक कार्यों एवं प्रक्रियाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करते हुए योजना एवं क्रियान्वयन में शीघ्र गति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण कर संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अनावश्यक रूप से प्रकरण लंबित न रखें, सभी विभाग लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही या अनावश्यक विलंब की स्थिति में संबंधित अधिकारियों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र में तहसीलवार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

बैठक में विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा आमजन से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र में ऐसे बच्चे जिनका जन्म प्रमाणपत्र नहीं बना है, उनका चिन्हांकन कर प्रमाणपत्र बनवाने की कार्रवाई करें। इस दौरान अन्य विभागीय कार्यों व कलेक्टर जनदर्शन, जन चौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल की समीक्षा की गई। बैठक में उपवनमण्डलाधिकारी अंबिकापुर श्वेता कम्बोज, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, राम सिंह ठाकुर, नगर निगम आयुक्त डीएन कश्यप, सर्व एसडीएम एवं विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

समय सीमा में राजस्व प्रकरणों का करें निराकरण

कलेक्टर ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में विभिन्न राजस्व प्रकरणों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने कहा। सभी तहसीलदारों को 6 माह से पूर्व के सभी प्रकरणों के शत-प्रतिशत निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में नक्शा बटांकन के कार्य में तेजी लाने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया, वहीं त्रुटि सुधार से संबंधी प्रकरणों को जल्द निराकृत करने सभी एसडीएम को निर्देश दिए।

2.70 करोड़ का फर्नीचर कागजों में बंटा, एसीबी ने मांगे दस्तावेज

ओडगी के 9 स्कूलों में बिना सप्लाई के निकला भुगतान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सर्व शिक्षा अभियान के तहत वर्ष 2010-11 में माध्यमिक स्कूलों के लिए खरीदा गया 2.70 करोड़ रुपये का फर्नीचर कागजों में ही बंट गया। एंटी करप्शन ब्यूरो, अंबिकापुर की जांच में खुलासा हुआ है कि सूरजपुर जिले के ओडगी विकासखंड के कई स्कूलों में फर्म द्वारा फर्नीचर की सप्लाई ही नहीं की गई, बावजूद इसके भुगतान कर दिया गया। एसीबी के उप पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने इस संबंध में 01 अगस्त को विकासखंड शिक्षा अधिकारी ओडगी को पत्र लिखकर संबंधित स्कूलों के प्रधान पाठकों को दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने का आदेश दिया है। जानकारी के अनुसार, कार्यालय राजीव गांधी शिक्षा मिशन, अंबिकापुर द्वारा वर्ष 2010-11 में माध्यमिक शालाओं में फर्नीचर खरीदी के लिए 2.70 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। जिला कार्यालय द्वारा सीईओ जिला पंचायत सूरजपुर और जिला संचालक राजीव गांधी शिक्षा मिशन के आदेश पर ओडगी ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों में फर्नीचर आपूर्ति का काम मैसर्स श्री श्याम इंडस्ट्रीज सूरजपुर को दिया गया था। एसीबी की विवेचना में पता चला कि कई फर्मों द्वारा स्कूलों में फर्नीचर की सप्लाई नहीं की गई। अपराध क्रमांक 28/2017 में एसपी पाण्डेय एवं अन्य के खिलाफ धारा 13(1) डी, 13(2) पीसी एक्ट 1988 और धारा 420, 120(बी) भादवि के तहत मामला दर्ज है। एसीबी ने जिन 9 स्कूलों का विवरण मांगा है उनमें माध्यमिक शाला बेगारीडांड, पठारीटोला, सहपा, कुबेरपुर, पश्चिमपारा, नवाटोला, धरसेड़ी, टोमो और दवनसरा शामिल हैं। इन स्कूलों में अप्रैल 2011 में 14 से 73 तक स्टूडेंट डेस्क-बेंच भेजे जाने का रिकॉर्ड है, लेकिन जमीनी स्तर पर सप्लाई नहीं मिली। एसीबी ने बीईओ ओडगी को निर्देशित किया है कि वे संबंधित प्रधान पाठकों को दस्तावेजों सहित बुलाकर मामले की पूरी जानकारी दें। 15 साल पुराने इस फर्नीचर घोटाले में अब जांच ने गति पकड़ ली है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अनियंत्रित बाइक बिजली खंभा से टकराई, युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सीतापुर थाना क्षेत्र के कोटपारा गोठान के पास रविवार की शाम अनियंत्रित बाइक बिजली खंभा में टकरा गई, हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों को सीतापुर अस्पताल लाया गया, यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, शकर साय व बाल प्रकाश दोनों सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम उडूमकेला के रहने वाले थे। दोनों रविवार की शाम को बाइक से कोट डोरापारा गए थे। वहां से वापस लौटते समय बाइक शकर साय चला रहा था। बाइक ग्राम कोटपारा गोठान के पास अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बिजली खंभा से जा टकराई। हादसे में दोनों घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने डॉयल 112 की मदद से दोनों को सीतापुर अस्पताल भिजवया, यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने शकर साय को मृत घोषित कर दिया, बाल प्रकाश का इलाज चल रहा है।

दुराचार का आरोपी 72 घंटे में गिरफ्तार नहीं हुआ तो महिला कांग्रेस करेगी कोतवाली का घेराव

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भफौली में नाबालिग के साथ दुराचार करने वाले आरोपी की 72 घंटे में गिरफ्तारी नहीं होने पर महिला कांग्रेस ने कोतवाली थाना का घेराव करने की चेतावनी दी है। महिला कांग्रेस शहर की बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया है। अध्यक्ष सीमा सोनी ने कहा कि पुलिस के असंवेदनशील रवैये के कारण जिले में नाबालिग आदिवासी बच्चियों के साथ दुराचार की घटनाएं बढ़ रही है। ग्राम वंदना में भी नाबालिग आदिवासी बच्चियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में थाना सीतापुर ने ढिलाई बरती, जिसके कारण स्लाइड, एफएसएल रिपोर्ट का साक्ष्य प्रभावित हुआ। रिपोर्ट दर्ज करने में बेवजह विलंब के कारण अपराधी को फरार होने का मौका मिल गया। उन्होंने चेतावनी दी कि, 72 घंटे में अगर पुलिस आरोपी को पुलिस गिरफ्तार नहीं करती है तो महिला कांग्रेस पूरी ताकत से कोतवाली थाने का घेराव करेगी।

मारपीट करके पत्नि को घर में बंद किया, पुलिस ने छुड़ाया, पति सहित 6 के विरूद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम रनपुरकला की एक महिला ने अपने पति सहित ससुराल पक्ष के छह लोगों पर मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और घर में बंधक बनाने का आरोप लगाया है। महला ने आरोप लगाया है कि, उस पर ससुराल वाले चरित्रशंका करते हैं। पीड़िता ने गांधीनगर थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर ली है।

विवाहिता ने पुलिस को बताया है कि, 10 जुलाई की दोपहर करीब 2 बजे वह घर के आंगन में गाय को पानी पिलाने के बाद खड़ी थी। इसी दौरान उसका पति विजय शंकर यादव और जेठ टीकम प्रसाद यादव पहुंचे, और पति ने चरित्र पर संदेह जताते हुए गाली-गलौज करके डंडे से मारपीट किया। जेठ ने उसके पति को उकसाते हुए जान से मार देने की बात कही। महिला का आरोप है कि, शाम को पति घर आया तो माहौल सामान्य था, लेकिन रात को जेठ ने पुन: विवाद शुरू कर दिया। इस दौरान उसकी सास सुकवरिया यादव, जेठ इंद्रजीत यादव और चाचा ससुर प्रभु यादव भी उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट करने लगे।

शिकायत में महिला ने कहा है कि रात को वह डर के कारण गांव के अयोध्या प्रसाद यादव के घर चली गई थी, लेकिन वहां से उसे जबरन घर ले गए और फिर मारपीट किया। इसके बाद घर के बाहर ताला लगा दिया गया और दीवार पर सीढ़ी लगाकर ऐसा माहौल बनाया गया, जिससे उस पर चोरी का आरोप लगाया जा सके। अगले दिन 11 जुलाई को उसके पिता पारसनाथ यादव पुलिस के साथ पहुंचे, तब उसे घर से बाहर निकाला गया। मारपीट में उसके दोनों पैर, जांघ, पीठ, सिर और हाथ में चोटें आई हैं। रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर में पति विजय शंकर यादव, सास सुकवरिया यादव, जेठ टीकम प्रसाद यादव, इंद्रजीत यादव, चाचा ससुर प्रभु यादव तथा होनेश्वर यादव के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

घर के सामने से बकरी ले गए चोर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम उडूमकेला में घर के सामने बंधी बकरी चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन नामजद के खिलाफ चोरी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम उडूमकेला, बैगापारा निवासी विनोद पुलिस को बताया है कि 1 अगस्त की सुबह वह घर से कुछ दूरी पर खेत में हल चला रहा था। घर के सामने सड़क किनारे उसकी बकरी बंधी थी। करीब 11.30 बजे उसकी मां मंगली बाई आवाज लगाई कि कुछ लोग बकरी चोरी कर ले जा रहे हैं। विनोद शोर सुनकर पहुंचा तो तीन युवक उसकी बकरी को बाइक में लेकर भाग रहे थे। उसने ग्रामीणों के साथ मिलकर बंदना-जजगा के बीच आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वे फरार हो गए। पीड़ित ने आरोपियों का नाम सद्दाम खान, लक्ष्मी प्रसाद नंदे तथा सूर्या कुमार नंदे निवासी ग्राम रायकेरा बताया है। शिकायत पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

योजनाओं की धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने लगाई फटकार

एग्रीस्टैक पंजीयन में शेष किसानों का शीघ्र पंजीयन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पंजीयन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, पीजी पोर्टल, जनशिकायत सहित जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर लंबित कार्यों में तेजी लाने और समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों में योजनाओं के क्रियान्वयन की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। साथ ही कहा कि योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहयों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाना शासन की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें। कलेक्टर ने सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत साइकिल वितरण की प्रगति की जानकारी लेते हुए छात्राओं को निर्धारित समय-सीमा में साइकिलों का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वितरण कार्य में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किचन गार्डन का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराएं। उन्होंने कहा कि किचन गार्डन निर्माण के लिए स्कूल में आवश्यक भूमि का चिन्हांकन, बाउंड्री एवं पानी की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित करें, ताकि कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हो सके।

कलेक्टर त्रिपाठी ने शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में चावल भंडारण की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि चावल उत्सव के आयोजन से पूर्व शेष सभी उचित मूल्य दुकानों में समय के भीतर शत-प्रतिशत भंडारण सुनिश्चित कर लें।

कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पंजीयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने एग्रीस्टैक पंजीयन की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जिन किसानों का आधार मोबाइल नंबर से लिंक नहीं होने के कारण पंजीयन में कठिनाई आ रही है, उनके लिए विशेष आधार शिविर आयोजित कराएं। साथ ही व्यापक स्तर पर मुनादी कर किसानों को शिविर की जानकारी दें, ताकि कोई भी पात्र किसान पंजीयन से वंचित न रहें। उन्होंने एग्रीस्टेक पंजीयन में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों के पंजीयन की भी समीक्षा की। उन्होंने शेष किसानों का पंजीयन शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ई-फाइल प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक निर्देश देते हुए सभी कार्यालयों में भौतिक फाइलों का उपयोग बंद कर शासकीय कार्यों का निष्पादन ई-फाइल के माध्यम से ही करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने ई-अटेंडेंस रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासन द्वारा निर्धारित समय पर नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर ई-अटेंडेंस दर्ज करने को कहा। उन्होंने जिले में मौसम की स्थिति एवं संभावित जलभराव की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलभराव संभावित क्षेत्रों पर लगातार नजर रखें तथा किसी भी आपात स्थिति के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर लें।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता न रहे, बल्कि संबंधित आवेदक को वास्तविक राहत मिले। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन एवं टीएल प्रकरण, पीजी पोर्टल, जन शिकायत की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने किया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 का निरीक्षण

लाइफ लाइन एक्सप्रेस की तैयारियों का लिया जायजा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने रेलवे स्टेशन बिश्रामपुर के प्लेटफॉर्म नंबर 2 का निरीक्षण कर लाइफ लाइन एक्सप्रेस के तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों के पंजीयन, प्रतीक्षा व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई, बैठक व्यवस्था एवं सुरक्षा की समुचित तैयारी समय रहते सुनिश्चित की जाए, ताकि जिले के नागरिकों को इस नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा का अधिकतम लाभ सुगमता से मिल सके। ज्ञात हो कि लाइफ लाइन एक्सप्रेस विश्रामपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 में 16 अगस्त से 5 सितंबर तक प्रात: 9 बजे से सायं 4 बजे तक विभिन्न रोगों की नि:शुल्क जांच एवं सर्जरी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस दौरान सभी उम्र के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। शिविर में आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी, कान की जांच एवं सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी कटे-फटे होंठ एवं जलने के बाद संकुचन, दांतों की जांच एवं

उपचार, महिलाओं के स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा सर्वाइकल कैंसर की जांच एवं स्क्रीनिंग तथा मुड़े हुए हाथ-पैर की जांच एवं सर्जरी की सुविधा दी जाएगी। मुड़े हुए हाथ-पैर के परीक्षण एवं सर्जरी की सुविधा केवल 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ही प्रदान की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिलेवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक मरीज स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठाएं एवं अपने परिवार व परिचितों को भी जानकारी देकर स्वस्थ भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं।

उन्होंने कहा कि 'स्वस्थ सूरजपुर, समृद्ध सूरजपुर' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में लाइफलाइन एक्सप्रेस जिले के नागरिकों के लिए वरदान सिद्ध होगी। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, सीएमएचओ डॉ. कपिलदेव पैकरा व अन्य उपस्थित रहे।

एकता स्टेडियम में पीएमश्री जयनगर का शानदार प्रदर्शन, 3-0 से जीता मुकाबला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के एकता स्टेडियम में आयोजित न्यू टैलेंट प्रोत्साहन कप फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन भी दर्शकों को खेल का शानदार संगम देखने को मिला। प्रतियोगिता के दूसरे मुकाबले में पीएमश्री जयनगर और राजकुमार पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर की टीमें आमने-सामने थीं। शुरुआत से ही आक्रामक रणनीति के साथ मैदान में उतरी पीएमश्री जयनगर की टीम ने शानदार तालमेल का प्रदर्शन करते हुए 3-0 के एकतरफा अंतर से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मैच के दौरान पीएमश्री जयनगर टीम के खिलाड़ियों ने लगातार विरोधी टीम पर दबाव बनाए रखा, जिसका परिणाम तीन शानदार गोलों के रूप में सामने आया। वहीं राजकुमार पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर की टीम ने वापसी की भरपूर कोशिश की, लेकिन जयनगर की मजबूत डिफेंस और गोलकीपर के शानदार प्रदर्शन के सामने उनकी एक भी रणनीति सफल नहीं हो सकी। मुकाबले में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित करने वाले जिशान कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के मुख्य अतिथि सुरेंद्र खेड़ा एवं संजय सोनी रहे, जबकि चरणजीत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने का सबसे प्रभावी मंच है। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि बच्चों को बेहतर खेल सुविधाएं और उचित मार्गदर्शन मिले तो वे जिला, राज्य ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकते हैं। अतिथियों ने यह भी कहा कि ऐतिहासिक एकता स्टेडियम विश्रामपुर क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। यहां नियमित रूप से प्रतियोगिताएं आयोजित होने से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिल रहा है, जो भविष्य में उनके खेल करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा।

आयोजक राजेश जैन ने बताया कि प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों में भी क्षेत्र की कई प्रतिभाशाली टीमें अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगी, जिससे फुटबॉल प्रेमियों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

विश्रामपुर में रेल सुविधाओं की मांग ने पकड़ा जोर, 8 को रेलवे स्टेशन के सामने होगा सांकेतिक धरना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। क्षेत्र में बेहतर रेल सुविधाओं की लंबे समय से चली आ रही मांग अब एक बार फिर आंदोलन का रूप लेने जा रही है। रेल संघर्ष समिति शिवनंदनपुर-बिश्रामपुर ने रेल यात्रियों की सुविधाओं और क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए 8 अगस्त को रेलवे स्टेशन विश्रामपुर के सामने सांकेतिक धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। समिति का कहना है कि लंबे समय से मांगें उठाई जा रही हैं, लेकिन अब तक रेलवे प्रशासन और शासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

जानकारी के अनुसार समिति की बैठक गत दिनों 1 अगस्त को आयोजित की गई थी। बैठक में अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस का विश्रामपुर रेलवे स्टेशन पर नियमित ठहराव सुनिश्चित करने, सप्ताह में कम से कम दो दिन इस ट्रेन का संचालन शुरू करने तथा क्षेत्र की अन्य रेल सुविधाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में मौजूद सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होती है तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। इसकी शुरुआत 8 अगस्त को सुबह 11.30 बजे रेलवे स्टेशन के सामने सांकेतिक धरने से होगी। समिति के प्रदीप गर्ग का कहना है कि विश्रामपुर और आसपास के हजारों यात्रियों, विद्यार्थियों, मरीजों, व्यापारियों तथा नौकरीपेशा लोगों को बेहतर रेल सुविधा का सीधा लाभ मिलेगा। वर्तमान में लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

यदि अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस का विश्रामपुर में ठहराव मिलता है और सप्ताह में दो दिन इसका संचालन शुरू होता है, तो क्षेत्र के लोगों की यात्रा काफी आसान हो जाएगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पूर्व में कई बार जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों तथा शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अब तक मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इससे क्षेत्रवासियों में निराशा और नाराजगी लगातार बढ़ रही है।

समिति ने क्षेत्र के नागरिकों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और व्यापारिक वर्ग से 8 अगस्त को आयोजित सांकेतिक धरना-प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर रेल सुविधाओं की इस जनहित की लड़ाई को मजबूत बनाने की अपील की है। समिति का कहना है कि यह आंदोलन किसी एक संगठन का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के विकास और आम जनता के अधिकारों से जुड़ा हुआ है।

राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता 12 से पहले लेबर कोड पर टकराव हुई तेज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोल इंडिया लिमिटेड में राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता 12 की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही लेबर कोड को लेकर नया विवाद सामने आ गया है। एपेक्स ज्वाइंट कंसल्टेटिव कमेटी की हालिया बैठक में कोल इंडिया प्रबंधन और सभी प्रमुख केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के बीच इस मुद्दे पर लंबी और तीखी बहस हुई। बैठक ने साफ संकेत दे दिए हैं कि आगामी वेतन समझौते की राह आसान नहीं रहने वाली है। बैठक में प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार द्वारा लेबर कोड के नियम अधिसूचित किए जा चुके हैं और कंपनी को कानूनी प्रावधानों के अनुरूप आगे बढ़ना होगा। प्रबंधन का कहना था कि राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता 12 की पूरी प्रक्रिया भी नए कानूनी ढांचे के अनुसार संचालित की जाएगी।

हालांकि बीएमएस, एचएमएस, एटक, सीटू सहित सभी प्रमुख ट्रेड यूनियनों ने इस प्रस्ताव पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। यूनियनों का कहना था कि 18 मई 2026 को जारी कोल इंडिया प्रबंधन के निर्देश के आधार पर लेबर कोड लागू करने की जल्दबाजी कर्मचारियों के हितों और वर्षों से चली आ रही सामूहिक सौदेबाजी की व्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। उनका स्पष्ट मत था कि पहले जेबीसीसीआई 12 का गठन किया जाए और उसके बाद वेतन समझौते राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता 12 की औपचारिक वार्ता शुरू हो। यूनियन प्रतिनिधियों ने बैठक में यह भी कहा कि कोयला उद्योग में दशकों से ट्रेड यूनियनों की मान्यता, प्रतिनिधित्व और सामूहिक वार्ता की जो व्यवस्था चली आ रही है, उसमें किसी भी प्रकार का बड़ा बदलाव सभी पक्षों की सहमति और व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही होना चाहिए। बिना सहमति के नई व्यवस्था लागू करना भविष्य में औद्योगिक संबंधों को प्रभावित कर सकता है। बैठक में 18 मई 2026 को जारी कोल इंडिया प्रबंधन के निर्देश को वापस लेने की मांग। जेबीसीसीआई 12 का तत्काल गठन कर राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता 12 की वेतन वार्ता शुरू करने पर जोर दिया गया। लेबर कोड लागू करने से पहले सभी केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के साथ विस्तृत चर्चा की मांग।

ट्रेड यूनियनों की मान्यता और प्रतिनिधित्व व्यवस्था में बदलाव को लेकर चिंता, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 815 मिलियन टन उत्पादन और 850 मिलियन टन डिस्पैच का महत्वाकांक्षी लक्ष्य, अप्रैल 2026 में सीआईएल का कोयला स्टॉक 130 मिलियन टन तक पहुंचने की जानकारी दी गई।

बैठक के समापन पर प्रबंधन ने आश्वस्त किया कि सभी मुद्दों पर ट्रेड यूनियनों के साथ आगे भी संवाद जारी रहेगा और कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए सहमति का रास्ता निकालने का प्रयास किया जाएगा। हालांकि यूनियनों ने भी स्पष्ट संकेत दिए कि यदि उनकी प्रमुख मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गंभीर रूप ले सकता है। कोयला उद्योग के लाखों कर्मचारियों की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि पहले जेबीसीसीआई 12 का गठन कर वेतन समझौते की प्रक्रिया शुरू होगी या फिर लेबर कोड के तहत नई व्यवस्था लागू होने के बाद राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता 12 की वार्ता आगे बढ़ेगी।

निधन

पंडित फनेश द्विवेदी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के आरटीआई कॉलोनी निवासी पंडित फनेश द्विवेदी का सोमवार को निधन हो गया। वे 60 वर्ष के थे। वे पिछले दो वर्ष वर्ष से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे और आज डायलिसिस के लिए जिला अस्पताल पहुंचे थे, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और उनका निधन हो गया। पंडित फनेश द्विवेदी शक्तिनगर शिवनंदनपुर निवासी पंडित अरुण द्विवेदी के बहनोई थे। स्थानीय मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिन्हें मुखाग्नि पुत्र अमित द्विवेदी ने दी। वे अपने पीछे दो पुत्री, पुत्र, पत्नी सहित भरा पूरा परिवार शोकाकुल छोड़ गए हैं।

सेवानिवृत्ति पर प्रधानपाठक रामूराम को दी गई भावभीनी विदाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विकासखंड प्रतापपुर के पूर्व माध्यमिक शाला चांचीडांड में पदस्थ प्रधान पाठक रामूराम मानिक 42 वर्षों की सेवा पश्चात सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में विद्यालय परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं परिजनों ने उनके शिक्षा क्षेत्र में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें शुभकामनाओं के साथ सम्मानपूर्वक विदाई दी। श्री मानिक की पहली नियुक्ति वर्ष 1984 में शंकरगढ़ विकासखंड के बेलसर में शिक्षक के रूप में हुई। इसके बाद उन्होंने विभिन्न विद्यालयों में अपनी सेवाएं देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। अपने सरल स्वभाव, अनुशासन और विद्यार्थियों के प्रति समर्पण के कारण वे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के बीच सदैव सम्मानित रहे।

विदाई समारोह में रामू राम मानिक की पत्नी शकुंतला मानिक, पुत्र शेखर व सौरभ पुत्रवधु बरखा व दीक्षा मानिक तथा नाती श्रीयांश एवं श्रीवत्स भी मौजूद रहे। आयोजन में सांसद प्रतिनिधि कृष्णा सोनी, संकुल प्राचार्य बलदेव राम चौहान, सीएसी बहादुर खान, जयप्रकाश खलखो, अब्बास आलम, सुनीता सहित बड़ी संख्या में विद्यालय परिवार के सदस्य शामिल रहे।

कोयला चोरी रोकने पर असिस्टेंट मैनेजर पर ग्रामीण ने किया पथराव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की गायत्री खदान में सोमवार तड़के कोयला चोरी रोकने पर ड्यूटी में मौजूद असिस्टेंट मैनेजर माइनिंग अशोक मेघवाल पर अज्ञात ग्रामीण ने पत्थर से हमला कर दिया, जिससे उन्हें चोटें आई है। घटना के बाद एसईसीएल प्रबंधन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी शिकायत कोतवाली थाना सूरजपुर में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 5.30 बजे गायत्री खदान के बंकर क्षेत्र में लगभग 40 से 50 ग्रामीण कोयला चोरी करने पहुंचे थे। उसी दौरान वहां ड्यूटी पर मौजूद असिस्टेंट मैनेजर माइनिंग अशोक मेघवाल ने उन्हें समझाते हुए तत्काल वहां से हटने के लिए कहा। उन्होंने ग्रामीणों को चेताया कि जिस स्थान पर वे खड़े हैं वहां भारी मशीनें संचालित हो रही हैं और बंकर क्षेत्र होने के कारण किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।समझाइश के बाद ग्रामीण वहां से भागने लगे। इसी दौरान भीड़ में शामिल एक ग्रामीण ने पीछे मुड़कर अशोक मेघवाल पर पत्थर फेंक दिया। पत्थर सीधे उन्हें लगने से वे घायल हो गए, जबकि हमला करने वाला व्यक्ति मौके से फरार हो गया। घटना के बाद खदान परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल स्थिति को नियंत्रित किया और घायल अधिकारी को केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर में लाकर प्राथमिक उपचार कराया। इस संबंध में क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी श्यामसुंदर रात्रे ने कोतवाली थाना सूरजपुर में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।गौरतलब है कि एसईसीएल की विभिन्न खदानों में समय-समय पर कोयला चोरी की घटनाएं सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों को रोकने के दौरान सुरक्षा कर्मियों और अधिकारियों को कई बार विरोध और जोखिम का सामना करना पड़ता है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर हमलावर के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

बारिश में धरासाई हुए नवनिर्मित स्टॉप डैम, लाखो रुपए के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल

मनरेगा के तहत हुआ था निर्माण, ग्रामीणों ने की जांच व कार्रवाई की मांग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के रामानुजनगर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत परशुरामपुर में मनरेगा के तहत लाखों रुपये की लागत से बनाए गए स्टॉप डैम बारिश में अपनी उपयोगिता सिद्ध नहीं कर सके और पानी के बहाव में बह गए। निर्माण के कुछ ही समय बाद दोनों स्टॉप डैम के क्षतिग्रस्त होने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों में इसे लेकर भारी नाराजगी है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है। जानकारी के अनुसार, परशुरामपुर क्षेत्र में बनाए गए दो स्टॉप डैमों में से एक का निर्माण लगभग दो माह पहले, जबकि दूसरे का निर्माण करीब

एक वर्ष पहले किया गया था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि दोनों ही स्टॉप डैम पहली तेज बारिश में क्षतिग्रस्त होकर टूट गए। इससे लाखों रुपये की सरकारी राशि खर्च होने के बावजूद निर्माण की मजबूती पर सवाल उठ रहे हैं। सूचना पट्ट के अनुसार, एक स्टॉप डैम का निर्माण मनरेगा योजना के तहत 19.40 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से कराया गया था। निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत परशुरामपुर बताई गई है। इसके बावजूद निर्माण इतना कमजोर निकला कि वर्षा शुरू होते ही ढांचा जवाब दे गया। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि निर्माण कार्य गुणवत्ता के अनुरूप किया गया

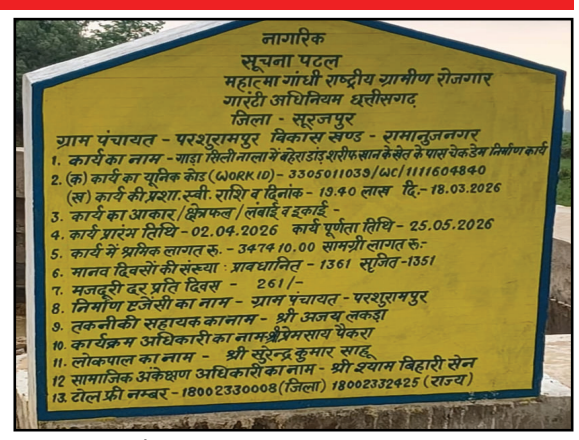

होता तो स्टॉप डैम इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त नहीं होते। लोगों का कहना है कि निर्माण में घटिया सामग्री के उपयोग और तकनीकी मानकों की अनदेखी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच, दोषी अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी पर कार्रवाई तथा सरकारी धन के दुरुपयोग की जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते जवाबदेही तय नहीं की गई तो विकास कार्यों की गुणवत्ता पर जनता का भरोसा लगातार कमजोर होता जाएगा।

स्वीकृति दो शिक्षकों के पद की पढ़ा रहा सिर्फ एक शिक्षक

भीम आर्मी ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, व्यवस्था के आभाव में आंदोलन की चेतावनी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के जनपद सूरजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सलका के प्राथमिक शाला चारपारा में शिक्षकों की कमी को लेकर भीम आर्मी भारत एकता मिशन ने मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने यहां जिला मुख्यालय में पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है और स्कूल में तत्काल अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना की मांग इस चेतावनी के साथ की है कि अगर 15 दिनों के भीतर मांग पूरी नहीं हुई तो जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन में बताया गया है कि प्राथमिक शाला चारपारा में कुल दो शिक्षक पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में केवल एक शिक्षक ही कार्यरत है। दूसरा शिक्षक पूर्व में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर में संबद्ध कर दिया गया था, जिसके बाद से स्कूल में पढ़ाई का पूरा भार एक ही शिक्षक पर आ गया है। संगठन का कहना है कि विद्यालय में करीब 45 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। एक शिक्षक के भरोसे पूरी व्यवस्था चलने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और उनके भविष्य के साथ समझौता किया जा रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शिक्षा विभाग के संबद्ध अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके मूल पदस्थापना स्थल पर वापस भेजने के निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद चारपारा स्कूल से संबद्ध शिक्षक अब तक अपने मूल विद्यालय में वापस नहीं लौटे हैं।।भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिला प्रभारी राजू कुमार राजवाड़े ने मांग की है कि विद्यालय में प्रधानपाठक के अलावा दो अतिरिक्त शिक्षकों की तत्काल पदस्थापना की जाए, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। संगठन ने प्रशासन को 15 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर शिक्षकों की व्यवस्था नहीं की गई, तो भीम आर्मी जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

कृषि मंत्री नेताम ने किया सत्य साई ग्राम का दौरा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम रविवार को सत्य साई ग्राम, मुद्देनहल्ली, चिक्कबल्लापुर (कर्नाटक) का दौरा किया। प्रवास के दौरान उन्होंने सद्गुरु मधुसूदन साई, जो वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन के संस्थापक एवं वैश्विक मानवतावादी हैं, से भेंट की। सद्गुरु मधुसूदन साई 100 से अधिक देशों में पोषण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में निःस्वार्थ सेवा और आध्यात्मिकता पर आधारित वैश्विक जनकल्याण अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ के शासकीय विद्यालयों के बच्चों के लिए संचालित मॉर्निंग न्यूट्रिशन प्रोग्राम को और अधिक सशक्त बनाने हेतु सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान इस बात पर विशेष बल दिया गया कि कोई भी बच्चा खाली पेट विद्यालय न जाए, तथा बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं शैक्षणिक उपलब्धियों में सुधार के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। मंत्री ने अत्याधुनिक साईश्योर एलएलपी न्यूट्रास्यूटिकल संयंत्र का भी अवलोकन किया, जहाँ वैज्ञानिक रूप से विकसित साईश्योर पोषण अनुपूरक का निर्माण किया जाता है। यह पोषण अनुपूरक सत्य साई अन्नपूर्णा ट्रस्ट के मॉर्निंग न्यूट्रिशन प्रोग्राम के अंतर्गत उपयोग किया जाता है, जो वर्तमान में देशभर के 1 करोड़ (10 मिलियन) से अधिक शासकीय विद्यालयों के बच्चों तक पहुँच रहा है। मंत्री नेताम ने सत्य साई ग्राम स्थित समेकित शिक्षा एवं स्वास्थ्य परिसरों, जिनमें शैक्षणिक संस्थान, मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल शामिल हैं, का भी भ्रमण किया।

पुत्र की मौत के दो वर्ष बाद भी नहीं मिली सहायता राशि, पीड़ित पिता की कलेक्टर से गुहार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शासन की सहायता राशि के लिए एक पिता को पिछले दो वर्षों से कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। आखिरकार परेशान होकर पीड़ित ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। आरोप है कि बेटे की मौत के करीब दो साल बाद भी शासन द्वारा स्वीकृत 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि का भुगतान नहीं किया गया है। ग्राम सरस्वतीपुर, चौकी सलका उमेश्वरपुर, थाना प्रेमनगर के नंदलाल पण्डो ने कलेक्टर को दिए आवेदन में बताया है कि उसका 14 वर्षीय पुत्र नहकूल पण्डो की 16 फरवरी 2024 को मेड़ की मिट्टी धंसने से दबकर मौत हो गई थी। घटना के बाद आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। पीड़ित पिता का कहना है कि शासन के

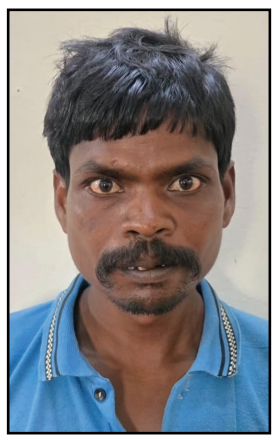

नियमानुसार दुर्घटना में मृत्यु होने पर मिलने वाली 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि अब तक उसके खाते में जमा नहीं हुई है। जबकि घटना को दो वर्ष से अधिक समय बीत चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित कार्यालयों के लगातार चक्कर लगाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। पीड़ित ने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की जांच कर शीघ्र आर्थिक सहायता राशि दिलाई जाए, ताकि आर्थिक संकट से जूझ रहे परिवार को राहत मिल सके। आवेदन के अनुसार बेटे की असमय मौत से परिवार को गहरा मानसिक आघात पहुंचा है। वहीं आर्थिक सहायता नहीं मिलने से परिवार की परेशानियां और बढ़ गई हैं। पीड़ित ने प्रशासन से मानवीय आधार पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। ताकि उसके परिवार को राहत मिल सके।

रेड क्रॉस की प्रादेशिक बैठक में मानव सेवा कार्यों प्रभावी बनाने बनी रणनीति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। किसी भी समाज की संवेदनशीलता का सबसे बड़ा पैमाना यह होता है कि संकट की घड़ी में वह जरूरतमंद लोगों के साथ किस तरह खड़ा होता है। इसी सोच को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की प्रदेश स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को राजधानी रायपुर स्थित रेड क्रॉस भवन में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश भर से आए चेयरमैन व अन्य प्रतिनिधियों ने अपने-अपने जिलों में संचालित गतिविधियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता राज्य चेयरमैन तोमन साहू ने की। इस दौरान राज्य जनरल सेक्रेटरी डॉ. रूपल पुरोहित, प्रदेश पदाधिकारी, राष्ट्रीय एवं प्रदेश प्रतिनिधि प्रबंध समिति के सदस्य, सभी जिलों के जिला चेयरमैन, सचिव तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी गण मौजूद रहे। प्रत्येक जिले ने संगठन की संरचना, सामाजिक गतिविधियों, राहत कार्यों और आय-व्यय का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इसके बाद आगामी महीनों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और जनसेवा से जुड़ी गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। इस बैठक की खास बात यह रही कि पहली बार सूरजपुर जिले का प्रतिनिधित्व चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल तथा सचिव एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा ने किया। दोनों ने जिले में संचालित गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी साझा की। प्रदेश नेतृत्व ने सूरजपुर की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए जिले में रेड क्रॉस की गतिविधियों को और विस्तार देने की बात कही।

आएंगे राज्य चेयरमैन

बैठक के दौरान यह जानकारी भी सामने आई कि इंडियन रेड

क्रॉस सोसायटी के राज्य चेयरमैन तोमन साहू का जल्द ही सूरजपुर का शासकीय दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान जिले में रेड क्रॉस की कार्यप्रणाली की समीक्षा, स्थानीय आवश्यकताओं का आकलन और जनसेवा से जुड़े नए कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

सहयोग नहीं करने वाले अधिकारियों पर नाराजगी

बैठक में कई जिलों से यह मुद्दा भी उठाया गया कि कुछ अधिकारी रेड क्रॉस सोसायटी की गतिविधियों में अपेक्षित सहयोग नहीं कर रहे हैं बैठक में स्पष्ट संदेश दिया गया कि मानव सेवा से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। चूंकि प्रत्येक जिला कलेक्टर इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की जिला शाखा के पदेन अध्यक्ष होते हैं, इसलिए जल्द ही राज्य भवन में प्रदेश के सभी कलेक्टरों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में रेड क्रॉस की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने तथा जिला स्तर पर हरसंभव सहयोग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

बनेगी नई प्रबंधन टीम

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सूरजपुर जिला शाखा की नई प्रबंधन टीम का गठन शीघ्र किया जाएगा। नई टीम के गठन के बाद सभी प्रकल्पों में रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, आपदा राहत, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण और अन्य सामाजिक गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित एवं व्यापक रूप से संचालित किए जाने हेतु प्रभारी, संयोजक व सदस्य नियुक्त किए जाएंगे। उक्त आयोजित बैठक केवल एक औपचारिक समीक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि प्रदेशभर में रेड क्रॉस की गतिविधियों को नई गति देने का मजबूत मंच भी बनी। सूरजपुर की सक्रिय भागीदारी, राज्य नेतृत्व का प्रस्तावित दौरा और संगठन को मजबूत करने के लिए लिए गए निर्णय इस बात का संकेत हैं कि आने वाले समय में जिले में मानव सेवा के कार्य और अधिक प्रभावी, संगठित तथा जनहितकारी स्वरूप में देखने को मिलेंगे।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को मंत्री लक्ष्मी बीरपुर कांवड़ यात्रा में हुई शामिल, की भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। श्रावण मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने गृह ग्राम बीरपुर में आयोजित पवित्र कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं के साथ सहभागिता की। श्रीमती राजवाड़े ने बीरपुर स्थित पासंग नाला से श्रद्धापूर्वक पवित्र जल लेकर कांवड़ यात्रा के साथ भगवान भोलेनाथ के मंदिर तक पदयात्रा की। मंदिर पहुंचकर उन्होंने सपरिवार भगवान शिव का जलाभिषेक, रुद्राभिषेक एवं विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना करते हुए देवाधिदेव महादेव से समस्त छत्तीसगढ़ पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का पावन पर्व है, जो समाज में सकारात्मकता, सद्भाव और लोककल्याण की भावना को सुदृढ़ करता है।

खामोशी में बीत रहा था बचपन, अब सुनाई देंगी दुनिया की आवाजें

रायपुर । अब तक जिस दुनिया को नन्हीं जीविका सिर्फ देखती थी, अब उसे वह सुन भी सकेगी। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम डुंडेरा की इस बच्ची के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) किसी नई जिंदगी की शुरूआत बनकर आया है। जन्मजात श्रवण बाधिता के कारण जीविका सामान्य बच्चों की तरह सुन और बोल नहीं पा रही थी। परिवार के लिए यह चिंता का विषय था, लेकिन समय पर हुई स्वास्थ्य जांच और शासकीय स्वास्थ्य व्यवस्था के सहयोग ने उनकी उम्मीदों को नया जीवन दे दिया। आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-1, डुंडेरा में नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान आरबीएसके टीम-ए, डोंगरगढ़ ने जीविका की समस्या को पहचाना। टीम ने बिना समय गंवाए आवश्यक चिकित्सकीय जांच कराई, विशेषज्ञों से परामर्श कराया और उसे एम्स रायपुर रेफर किया।

सीएम साय ने धरसींवा विधानसभा के लिए एम्बुलेंस को दिखाई हरी झंडी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास से धरसींवा विधानसभा क्षेत्र की जनता के लिए एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा विधायक अनुज शर्मा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में एम्बुलेंस के चालक को चाबी सौंपी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक समय पर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इसी सोच के अनुरूप प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में लोगों को त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री साय ने धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए

कहा कि किसी भी मरीज के लिए उपचार के शुरूआती क्षण अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। समय पर अस्पताल पहुंचने से अनेक गंभीर परिस्थितियों में जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह नई एम्बुलेंस गर्भवती महिलाओं, गंभीर रूप से बीमार मरीजों, बुजुर्गों तथा सड़क दुर्घटनाओं या अन्य आकस्मिक घटनाओं में घायल लोगों को शीघ्र स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि यह सुविधा न केवल चिकित्सा सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाएगी, बल्कि क्षेत्रवासियों में स्वास्थ्य सुरक्षा का विश्वास भी मजबूत करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। अस्पतालों के उन्नयन, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति, दवाइयों की सुगम उपलब्धता और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण पहल की जा रही हैं। उनका कहना था कि स्वस्थ नागरिक ही समृद्ध समाज और विकसित राज्य की आधारशिला होते हैं, इसलिए जनस्वास्थ्य से जुड़े प्रत्येक प्रयास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इस अवसर पर धरसींवा विधानसभा के विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि क्षेत्रवासियों की लंबे समय से एक आधुनिक एम्बुलेंस की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) के माध्यम से लगभग 19 लाख 65 हजार रुपये की लागत से यह अत्याधुनिक एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा के शुरू होने से धरसींवा क्षेत्र के लोगों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहले की तुलना में अधिक तेज और प्रभावी ढंग से मिल सकेंगी।

हाल ही में राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए युवा आंदोलन ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर हम व्यापक दृष्टिकोण से देखें तो पुरानी पीढ़ी, जेन-जी और जेन-अल्फा के बीच यह अंतर किसी एक के पूरी तरह सही और दूसरे के गलत होने का नहीं है। यह केवल समय के साथ बहने वाली नदी की तरह है, जिसने समय की मांग के अनुसार हर मोड़ पर अपना स्वरूप बदला है। इन तीनों पीढ़ियों के बीच जो वैचारिक और व्यावहारिक खाई है, उसे किसी अंतहीन बहस, आरोप-प्रत्यारोप या आलोचना से नहीं भरा जा सकता। इसके लिए जरूरत है एक गहरी समझ और सहानुभूति की। जब ये पीढ़ियां एक-दूसरे के अंतर का सम्मान करना सीख जाएंगी, तभी हमारा समाज एक संतुलित, परिपक्व और समग्र विकास की दिशा में सही मायने में आगे बढ़ सकेगा। दूसरी ओर, इस आंदोलन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के अस्तित्व को भी नकारा नहीं जा सकता। चूंकि विचार के नाम पर यह पार्टी रीढ़विहीन है, इसलिए राजनीतिक रूप से हाशिए पर आ चुके दल कॉकरोच जनता पार्टी को न सिर्फ सहारा दे रहे हैं बल्कि अपने लिए भी एक छतरी तलाश कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को नीति-निर्माण में युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है। मंत्रालयों में युवा सलाहकार बोर्ड बदलते वक्त की जरूरत है। ***इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

पुरानी पीढ़ी से अलग है जेन-जी और अल्फा

विश्लेषण

डा. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

'सीजेपी' के बैनर तले यह अवश्य पहला ऐसा आंदोलन था जिसने युवा-संकल्प शक्ति के सामर्थ्य का परिचय दिया, लेकिन अब नए सवाल एवं नई चुनौतियां इस आंदोलन के प्रणेताओं के भी समक्ष उठने लगी हैं। ऐसी ढेरों अन्य चुनौतियां हैं जिन पर इस युवा संगठन को अन्य ऐसे ही मंचों से अपने अस्तित्व के बारे में सोचना होगा। समय का पहिया जब अपनी धुरी पर घूमता है तो वह केवल कैलेंडर के पन्ने नहीं पलटता बल्कि इंसानी सोच, समाज की संरचना और जीवन जीने के नजरिए को भी पूरी तरह से बदल देता है। आज हम जिस दौर में खड़े हैं, वह एक ऐसा ऐतिहासिक मुकाम है, जहां तीन अलग-अलग पीढ़ियां एक साथ, लेकिन बिल्कुल अलग-अलग दुनिया में जी रही हैं।

यह स्वातंत्र्योत्तर भारत के इतिहास का पहला युवा-आंदोलन नहीं था। अतीत में भी जेन-जी हमारे देश के राजनीतिक पटल पर अनूठी इबारतें दर्ज करती रही है। 'सीजेपी' के बैनर तले यह अवश्य पहला ऐसा आंदोलन था जिसने युवा-संकल्प शक्ति के सामर्थ्य का परिचय दिया, लेकिन अब नए सवाल एवं नई चुनौतियां इस आंदोलन के प्रणेताओं के भी समक्ष उठने लगी हैं। पहली चुनौती इसके नाम की है। क्या 'सीजेपी' इसी नाम के साथ सक्रिय राजनीति में प्रवेश करेगी? दूसरी चुनौती, उन राजनीतिक शक्तियों की है जो आने वाली किसी भी चुनावी कवायद में 'सीजेपी' को भुनाने का प्रयास करेंगी। ऐसी शक्तियों में भी कहीं किसी भी स्तर पर मतैक्य नहीं है। ऐसी ढेरों अन्य चुनौतियां हैं जिन पर इस युवा संगठन को अन्य ऐसे ही मंचों से अपने अस्तित्व के बारे में सोचना होगा। समय का पहिया जब अपनी धुरी पर घूमता है तो वह केवल कैलेंडर के पन्ने नहीं पलटता बल्कि इंसानी सोच, समाज की संरचना और जीवन जीने के नजरिए को भी पूरी तरह से बदल देता है। आज हम जिस दौर में खड़े हैं, वह एक ऐसा ऐतिहासिक मुकाम है, जहां तीन अलग-अलग पीढ़ियां एक साथ, लेकिन बिल्कुल अलग-अलग दुनिया में जी रही हैं। एक तरफ हमारी पुरानी पीढ़ी है जिसने अभावों से शुरुआत करके स्थिरता को अपना लक्ष्य बनाया। दूसरी तरफ जेन-जी है जिसने तकनीक को अपने हाथों में खिलौने की तरह पलता हुआ देखा है। अब, सबसे नई पीढ़ी यानी जेन-अल्फा दस्तक दे चुकी है, जिसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आभासी दुनिया कोई अजूबा नहीं बल्कि उनकी सामान्य दिनचर्या का हिस्सा है। इन पीढ़ियों के बीच का अंतर केवल उम्र का नहीं है बल्कि यह अंतर उस पूरे परिवेश का है जिसने इनके दिमाग, इनकी भावनाओं और इनके जीवन मूल्यों को गढ़ा है। यह समझना बेहद दिलचस्प है कि पुरानी पीढ़ी से यह नई जेन-जी और जेन-अल्फा की पीढ़ी किन मायनों में और कितनी अलग है। तकनीक के साथ रिश्ते को ही लें तो पुरानी पीढ़ी के लिए तकनीक एक सुविधा थी जिसे उन्होंने अपनी आधी उम्र गुजारने के बाद बहुत हिचकिचाहट के साथ सीखा।

तीनों पीढ़ियां एक-दूसरे का सम्मान करें

अगर हम एक व्यापक दृष्टिकोण से देखें तो पुरानी पीढ़ी, जेन-जी और जेन-अल्फा के बीच यह अंतर किसी एक के पूरी तरह सही और दूसरे के गलत होने का नहीं है। यह केवल समय के साथ बहने वाली नदी की तरह है, जिसने समय की मांग के अनुसार हर मोड़ पर अपना स्वरूप बदला है।

पुरानी पीढ़ी के पास अनुभव, स्थिरता, धैर्य और रिश्तों की वह गहरी गर्माहट है जिसकी आज के इस अत्यधिक तेज और आभासी दौर को सख्त जरूरत है। जेन-जी के पास रूढ़ियों से लड़ने का अदम्य साहस, वैश्विक मुद्दों के प्रति गहरी चिंता और दुनिया को एक समान नजरिए से देखने की प्रगतिशील दृष्टि है। वहीं, जेन-अल्फा भविष्य की वह असीम और अज्ञात संभावना है जो तकनीक की चरम सीमा और मानवता के मूल स्वभाव के बीच एक नया संतुलन स्थापित करने की जिम्मेदारी उठाएगी। इन तीनों पीढ़ियों के बीच जो वैचारिक और व्यावहारिक खाई है, उसे किसी अंतहीन बहस, आरोप-प्रत्यारोप या आलोचना से नहीं भरा जा सकता। इसके लिए जरूरत है एक गहरी समझ और सहानुभूति की। पुरानी पीढ़ी को यह खुले मन से स्वीकार करना होगा कि दुनिया अब उनके बनाए गए पुराने नियमों से नहीं चल सकती और नई पीढ़ियों को भी यह समझना ही होगा कि कोई भी उन्नत तकनीक जीवन के उस जमीनी अनुभव की जगह नहीं ले सकती जो पुरानी पीढ़ी ने दशकों के संघर्ष में कमाया है। जब ये पीढ़ियां एक-दूसरे के अंतर का सम्मान करना सीख जाएंगी, तभी हमारा समाज एक संतुलित, परिपक्व और समग्र विकास की दिशा में सही मायने में आगे बढ़ सकेगा।

तकनीकी बदलाव व आपसी संवाद

पुरानी पीढ़ी ने चिट्ठियों के दौर से लेकर लैंडलाइन और फिर बहुत बाद में स्मार्टफोन का सफर तय किया। इसके ठीक विपरीत, जेन-जी वह पीढ़ी है जिसे डिजिटल नेटिव कहा जाता है। उन्होंने इंटरनेट के साथ ही आंखें खोली हैं। उनके लिए दुनिया की हर जानकारी उनकी उंगलियों पर रही है। जेन-अल्फा इन सबसे भी एक कदम आगे है। यह वह पीढ़ी है जो साल दो हजार दस के बाद पैदा हुई है और जिसे एआई नेटिव कहा जा सकता है। जेन-अल्फा के बच्चे जब बोलना भी नहीं सीखे थे, तब वे स्मार्टफोन और टैबलेट की स्क्रीन को स्वाइप करना जानते थे। उनके लिए एलेक्सा, सिरी और चैटजीपीटी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले टूल किसी इंसान की तरह ही उनके दोस्त और शिक्षक बन चुके हैं। तकनीक ने पुरानी पीढ़ी को दुनिया से जोड़ा था, जेन-जी ने तकनीक के जरिए अपनी एक अलग दुनिया बनाई, लेकिन जेन-अल्फा तकनीक के भीतर ही सांस ले रही है। इस तकनीकी बदलाव ने आपसी संवाद और भाषा के स्वरूप को भी पूरी तरह बदल कर रख दिया है। पुरानी पीढ़ी के लिए संवाद का अर्थ आमने-सामने बैठकर लंबी बातचीत करना था।

इंटरनेट स्लैंग और इमोजी

जेन-जी की भाषा इंटरनेट की गति से चलती है। उनके लिए एक लंबी फोन कॉल भी कई बार असुविधाजनक होती है क्योंकि वे टेक्स्ट मैसेज, वॉयस नोट्स और मीम्स के जरिए अपनी बात कहना ज्यादा पसंद करते हैं। उनकी भाषा में इंटरनेट स्लैंग और इमोजी का गहरा प्रभाव है, जहां एक छोटा सा चित्र पूरी भावना को व्यक्त कर देता है। जेन-अल्फा की संवाद शैली इससे भी अधिक दृश्य और त्वरित होने वाली है। वे ऐसी पीढ़ी हैं जो टेक्स्ट से ज्यादा वीडियो और इंटरैक्टिव माध्यमों पर निर्भर है। उनके लिए स्क्रीन पर चल रहे विजुअल्स ही उनके संवाद की प्राथमिक भाषा बन चुके हैं। इन पीढ़ियों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों में भी जमीन-आसमान का अंतर आ चुका है। पुरानी पीढ़ी के लिए समाज का मतलब उनका पड़ोस, उनका गांव या उनका शहर होता था। वे एक ऐसे ढांचे में पले-बढ़े जहां व्यक्ति से ज्यादा परिवार और समाज का महत्व था। लेकिन जेन-जी ने इस ढांचे को चुनौती दी है। उनके लिए समाज की कोई भौगोलिक सीमा नहीं है। वे दक्षिण कोरिया के पॉप संगीत को सुनते हैं, अमेरिकी मीम्स पर हंसते हैं और यूरोप के जलवायु अभियानों का हिस्सा बनते हैं।

एक-दूसरे से विपरीत रवैया

भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर इन पीढ़ियों का रवैया एक-दूसरे से बिल्कुल विपरीत है। पुरानी पीढ़ी ने कई युद्ध, अकाल और आर्थिक मंदी के दौर देखे हैं जिसने उन्हें भीतर से बेहद कठोर और सहनशील बनाया। दुख या तनाव को चुपचाप सह लेना ही उनके लिए जीवन जीने का एकमात्र तरीका था। इसके विपरीत, जेन-जी शायद इतिहास की पहली ऐसी पीढ़ी है जो अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सबसे ज्यादा मुखर है। वे थेरेपी पर खुलकर बात करते हैं, अपनी कमजोरियों को छिपाने के बजाय दुनिया के साथ साझा करते हैं और अपने लिए भावनात्मक सीमाएं तय करते हैं। हालांकि, हर समय स्क्रीन से चिपके रहने और सोशल मीडिया पर एक परफेक्ट जीवन दिखाने के भारी दबाव ने जेन-जी को एंग्जायटी का शिकार भी बनाया है। जेन-अल्फा की स्थिति इस मामले में और भी जटिल है। यह वह पीढ़ी है जिसने अपने जीवन के शुरुआती और सबसे महत्वपूर्ण साल महामारी के कारण घर की चारदीवारी में बिताए हैं। उनका स्क्रीन टाइम बहुत अधिक है और असली इंसानी रिश्तों से उनका जुड़ाव कम होता जा रहा है जो उनके मनोवैज्ञानिक विकास के लिए भविष्य की बड़ी चुनौती बनने वाला है।

प्रेशर ग्रुप की भांति कार्य करे कॉकरोच जनता पार्टी

उम्मीद

चरण जीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू होने के बाद देश के लोगों को यह अधिकार मिला कि वे अपना प्रतिनिधि चुन सकें। इस व्यवस्था को साधने के लिए एक तरफ जहाँ कुछ सामाजिक कार्यकर्ता देश सेवा की भावना से राजनीति में आए तो वहीं कुछ सत्ता लोलुप भी इस प्रक्रिया का फायदा उठाने के लिए राजनीति में आए। कुछ पहले से बने हुए दलों में शामिल हुए, जबकि कुछ ने जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा,और विचार के आधार पर राजनीतिक पार्टियां बना लीं। उस वक्त चूंकि देश गुलामी के दलदल से निकला था इसलिए भारतीय मतदाता इतना परिपक्व नहीं था कि राष्ट्र के मुद्दों को सर्वोपरि रखकर अपना मत व्यक्त कर सके। भारतीय मतदाता की इसी कमजोरी का फायदा उठाते हुए भारत में हजारों की संख्या में राजनीतिक दलों का उदय हुआ। इनमें से अधिकतर विचारधारा के अभाव में नष्ट हो गए। कुछ ने क्षेत्रीय पार्टी का रूप ले लिया। कुछ ने राज्यों की सत्ता हथिया ली। कुछ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे। पिछले दो दशकों में जबसे सोशल मीडिया का प्रादुर्भाव हुआ है, तब से ही कई दल बने और नष्ट हुए हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी का उदय

कॉकरोच जनता पार्टी सोशल मीडिया की सीलन भरी उस आभासी दुनिया की उपज है, जहां मात्र कुछ सेकंड की एक रील वायरल होने पर किसी व्यक्ति को रातों-रात स्टार बना सकती है। किसी को रातों-रात बदनाम करके उसकी जिंदगी तबाह कर सकती है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश की एक साधारण टिप्पणी में निहित एक शब्द को लेकर बनाया गया एक सोशल मीडिया अकाउंट इतना वायरल हुआ कि उस पर फ़ॉलोअर्स की बाढ़ आ गई और रातों-रात मिलियन्स लोग एक इंस्टाग्राम अकाउंट से जुड़ गए। इस तरह से एक ऐसे प्लेटफॉर्म का जन्म हो गया, जहां देश के जेन-जी को अपनी बात रखने का मौका मिला। चूंकि विचार के नाम पर यह पार्टी रीढ़विहीन है इसलिए राजनीतिक रूप से हाशिए पर आ चुके दल कॉकरोच जनता पार्टी को न सिर्फ सहारा दे रहे हैं बल्कि अपने लिए भी एक छतरी तलाश कर रहे हैं। जेन-जी के नाम पर देश की युवा पीढ़ी को हथियार बनाकर पहले से स्थापित राजनीतिक दल अपनी रोटियां सेक रहे हैं। फिलहाल सरकार से एक मुद्दे पर अपनी मांगें मनवाने में सफल हो जाने वाली सीजेपी के सामने अब सबसे बड़ा संकट अपने अस्तित्व को बचाना और अपने उद्देश्य को स्थापित करना है

कॉकरोच जनता पार्टी स्वयं को जेन-जी के प्रतिनिधि के रूप में पेश करती है इसलिए उसके मुद्दे भी छात्रों से जुड़े हुए हैं। ऐसे मुद्दों से सरकार पर दबाव तो बनाया जा सकता है, लेकिन एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी पहचान बनाना बहुत मुश्किल है।

सीजेपी की विचारधारा

भारतीय राजनीति में केवल दो ही पार्टियां ऐसी हैं जो एक निश्चित विचारधारा से जुडी हुई हैं। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवाद को अपना प्रमुख एजेंडा मानती है। कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता को अपनी प्रमुख विचारधारा मानती है। बाकी सभी पार्टियां जाति, धर्म, क्षेत्र, या भाषा के नाम पर अपना पोषण करती हैं। कॉकरोच जनता पार्टी स्वयं को जेन-जी के प्रतिनिधि के रूप में पेश करती है इसलिए उसके मुद्दे भी छात्रों से जुड़े हुए हैं। इनमें शिक्षा में सुधार, पेपर लीक, रोजगार के बेहतर विकल्प जैसे मुद्दे शामिल है। ऐसे मुद्दों से सरकार पर दबाव तो बनाया जा सकता है लेकिन एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी पहचान बनाना बहुत मुश्किल है।

क्या है पार्टी का भविष्य एवं विकल्प

कॉकरोच जनता पार्टी का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह आने वाले समय में किन मुद्दों पर राजनीति करती हैं। अगर कॉकरोच जनता पार्टी भी अन्य दलों की भांति चुनावी राजनीति में कदम रखती है तो उसे अपने मुद्दे,उद्देश्य और विचार देश की जनता के सामने स्पष्ट करने होंगे। वर्ना बहुत सारे अन्य दलों की तरह वह भी चुनाव चिन्हों की भीड़ में एक सिम्बल मात्र बनकर रह जाएगी। सीजेपी के पास सबसे बेहतर विकल्प तो यही है कि वह एक प्रेशर ग्रुप की भांति कार्य करे। देश में समस्याओं और मुद्दों की कमी नहीं है। जिस तरह से पेपर लीक के मामले को राष्ट्रीय मुद्दा बनाकर मंत्री का इस्तीफा कराना और एक बेहतर कानून बनाने के लिए सरकार को मजबूर करना ये किसी अन्य राजनीतिक दल के बस का काम नहीं था। देश की युवा शक्ति ने यह कर दिखाया है। एक और बड़ी चुनौती सीजेपी के सामने किसी भी राजनीतिक दल के द्वारा इस्तेमाल होने की है। आज जो पार्टियां अपनी प्रासंगिकता खोती जा रही हैं, वे किसी भी तरह के समझौते के लिए तैयार हो जाती हैं, उनसे बचने की जरूरत है। कॉकरोच की सबसे बड़ी खूबी ये है कि वह सबसे विपरीत परिस्थितियों में सर्वाइव कर सकता है। वहीं, उसका सबसे बड़ा दुर्गुण ये है कि वह खाता कम है खराब अधिक करता है। पहला गुण अच्छा है, लेकिन दूसरे से बचना होगा। मतलब सीधा सा है कि युवा पीढ़ी के वास्तविक मुद्दों को उठाना, उनके लिए संघर्ष करना, सरकारों को बेहतर विकल्प देने के लिए मजबूर करना, देश की युवा पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कार्य करना। इस सोच के साथ जब तक कॉकरोच जनता पार्टी आगे बढ़ती रहेगी उसे जनता और युवाओं का समर्थन मिलता रहेगा, वर्ना एक बार विश्वास उठने के बाद फिर से खड़ा होना बहुत मुश्किल है।

असहमति की भाषा संवाद के रास्ते खुले रखे

मंथन

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली का जंतर-मंतर लंबे समय से लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहां समय-समय पर विभिन्न वर्गों ने अपनी मांगों, असहमतियों और अपेक्षाओं को सामने रखा है। हाल के एक आंदोलन के दौरान भी जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में युवाओं की उपस्थिति देखने को मिली। इस आंदोलन की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि इसमें शामिल जेन जी ने अपने व्यक्तित्व के अनेक रंग प्रस्तुत किए। एक ओर ऐसे युवा थे जो अपने तर्कों और मांगों को पूरी गंभीरता के साथ रख रहे थे, वहीं दूसरी ओर कुछ युवाओं की भाषा, नारे और प्रस्तुति शैली ने अलग कारणों से ध्यान आकर्षित किया। उनकी भाषा कई लोगों को अटपटी, अनगढ़ या असामान्य लगी।

यह स्थिति केवल किसी एक आंदोलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बदलते सामाजिक और डिजिटल परिवेश का भी संकेत देती है। आज की पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया और रील्स के बीच बड़ा हुआ है। उसकी भाषा में मीम, इंटरनेट स्लैंग, व्यंग्य और लोकप्रिय सांस्कृतिक संदर्भ सहज रूप से शामिल हो गए हैं। इसलिए जब यह पीढ़ी सड़कों पर उतरती है, तो उसकी अभिव्यक्ति भी पारंपरिक आंदोलनों से अलग दिखाई देती है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि जेन जी को केवल उसकी भाषा से नहीं समझा जा सकता। हाल के आंदोलन में अनेक युवा ऐसे भी थे जो तथ्यों के साथ अपने अधिकारों, भविष्य और नीतिगत प्रश्नों पर गंभीर चर्चा कर रहे थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस पीढ़ी के भीतर संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना का भी एक मजबूत पक्ष मौजूद है। इसके विपरीत, कुछ सोशल मीडिया क्लिप्स में ऐसे नारे, टिप्पणियां और संवाद भी सामने आए जिनमें अत्यधिक अनौपचारिक भाषा, कटाक्ष या वायरल होने की प्रवृत्ति दिखाई दी। कई बार ऐसा लगा कि कुछ प्रतिभागी आंदोलन के मूल उद्देश्य से अधिक कैमरे की उपस्थिति के प्रति सजग हैं। यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है। किसी पोस्टर की रचनात्मकता, किसी नारे की चुटीली पंक्ति या किसी छोटे वीडियो का वायरल होना कई बार आंदोलन के मूल मुद्दे से भी अधिक चर्चा का विषय बन जाता है। उदाहरण के लिए 2019 के हांगकांग आंदोलन में युवाओं ने डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन मंचों और रचनात्मक पोस्टरों का व्यापक उपयोग किया।

वहीं, अमेरिका के ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन में जेन जी ने सोशल मीडिया द्वारा जनसमर्थन जुटाने में बड़ी भूमिका निभाई। हर बार यह सवाल भी उठा कि क्या आंदोलन का संदेश अधिक महत्वपूर्ण है या उसकी सोशल मीडिया प्रस्तुति? जेन जी की भाषा को समझने के लिए यह भी ध्यान रखना होगा कि भाषा हमेशा समाज के साथ बदलती है। जिस भाषा को एक पीढ़ी सहज मानती है, दूसरी पीढ़ी उसे असामान्य या असभ्य समझ सकती है। यह पीढ़ियों के बीच का स्वाभाविक अंतर है। लेकिन लोकतांत्रिक आंदोलनों में भाषा का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि वही आंदोलन की नैतिक शक्ति और विश्वसनीयता का आधार बनती है। यदि भाषा अत्यधिक आक्रामक, अपमानजनक या असंगत हो जाए, तो आंदोलन के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट सकते हैं और चर्चा केवल शैली तक सीमित रह जाती है। सोशल मीडिया ने युवाओं को अभिव्यक्ति का अभूतपूर्व मंच दिया है। इसके सकारात्मक परिणाम भी हैं।

आज कोई भी युवा अपनी बात लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है, तथ्यों को साझा कर सकता है और जनसमर्थन जुटा सकता है। इसी माध्यम ने त्वरित लोकप्रियता की चाह भी बढ़ाई है। कई बार कुछ लोग गंभीर विषयों को भी मनोरंजन या वायरल सामग्री में बदल देते हैं। आंदोलन जैसे गंभीर लोकतांत्रिक माध्यम में यह प्रवृत्ति सावधानी की मांग करती है। लोकतंत्र में विरोध और असहमति दोनों आवश्यक हैं, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि असहमति की भाषा ऐसी हो जो संवाद के रास्ते खुले रखे।

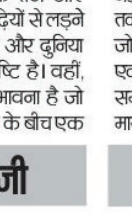

प्रभावशाली आंदोलन केवल भीड़ से नहीं, बल्कि विचार, अनुशासन और विश्वसनीय संवाद से मजबूत बनते हैं। हर पीढ़ी अपनी भाषा लेकर आती है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा अंततः वही होती है जिसमें मतभेद के साथ मर्यादा, विरोध के साथ विवेक और उत्साह के साथ उत्तरदायित्व भी शामिल हो।

जंतर-मंतर पर हाल के आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया कि जेन-जी एकरूप नहीं है। इस पीढ़ी में गंभीर चिंतन करने वाले युवा भी हैं, तकनीक का रचनात्मक उपयोग करने वाले भी हैं और ऐसे लोग भी हैं जो अपनी अभिव्यक्ति में अत्यधिक अनौपचारिक या सनसनीखेज शैली अपनाते हैं।

सह-भागीदारी का मार्ग अपनाए सरकार

व्यवस्था

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

डिजिटल युग में पले-बढ़े युवाओं की पीढ़ी 'जेन-जी' आज केवल सोशल मीडिया की प्रवृत्ति तय नहीं कर रही बल्कि वैश्विक स्तर पर सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विमर्श को भी आकार दे रही है। भारत से लेकर नेपाल, बांग्लादेश और कई अन्य देशों तक, जेन-जी के नेतृत्व में हो रहे जन-आंदोलन और उनकी मांगों ने सत्ता संरचनाओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सवाल यह उठता है कि आखिर यह पीढ़ी सरकार और उसकी व्यवस्था से असहज या नाराज क्यों है? और ऐसा क्या किया जाना चाहिए जिससे युवा स्वयं को शासन प्रक्रिया का हिस्सा महसूस कर सकें?

जेन-जी की नाराजगी का प्रमुख कारण 'शिक्षित बेरोजगारी' और गिग इकोनॉमी की असुरक्षा है। पारंपरिक नौकरियों के अवसर सीमित हो रहे हैं और जो नए रोजगार जैसे गिग इकोनॉमी या डिलीवरी, राइड-शेयरिंग जॉब्स पैदा हो रहे हैं; उनमें सामाजिक सुरक्षा, पेंशन या दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है। कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं नीट, यूपीएससी, एसएससी, सीयूईटी की तैयारी में जीवन के कई वर्ष बिताने के बावजूद पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और अदालती मुकदमों के कारण भर्तियों में देरी युवाओं के धैर्य को तोड़ रही है। पारंपरिक राजनीति और संवादहीनता भी इस नाराजगी का बड़ा कारण है। जब सरकारें युवाओं के मुद्दों पर सीधे संवाद करने के बजाय सोशल मीडिया ट्रोलिंग और प्रतिबंधों का सहारा लेती हैं तो युवाओं को लगता है कि उनकी आवाज को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य, प्रतिस्पर्धा और भविष्य की अनिश्चितता भी एक बड़ी वजह है। कोचिंग संस्कृति के बढ़ते दबाव, आर्थिक असमानता और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों को लेकर इस पीढ़ी में चिंता और अनिश्चितता का माहौल है। नीतियां बनाते समय युवाओं के भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी वास्तविक चिंताओं की अनदेखी हो रही है। प्रशासनिक पारदर्शिता का अभाव भी जेन-जी की नाराजगी बढ़ाता है। यह पीढ़ी 'इंस्टेंट फीडबैक' और 'रीयल-टाइम ट्रांसपेरेंसी' के दौर में बढ़ी हुई है। जब उन्हें सरकारी दफ्तरों में लालफीताशाही, भ्रष्टाचार और अपारदर्शी निर्णय प्रक्रिया दिखती है तो उनका तंत्र से भरोसा उठने लगता है। आज के युवा का भरोसा जीतने के लिए सरकारों को नीति व कामकाज में आवश्यक बदलाव लाना होगा और सह-भागीदारी का मार्ग अपनाना होगा। यदि सरकारें युवाओं को केवल 'वोट बैंक' या नीतिगत निर्णयों का 'लाभार्थी' मानने के बजाय 'सह-निर्माता' के रूप में देखना चाहती है तो उसे ढांचागत बदलाव करने होंगे। परीक्षा और रोजगार प्रणाली में आमूलचूल सुधार लाना होगा। एक पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती ढांचे की सख्त जरूरत है। भर्ती प्रक्रियाओं के लिए एक राष्ट्रीय कैलेंडर और भ्रष्टाचार-मुक्त डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली अनिवार्य की जानी चाहिए। पेपर लीक जैसे अपराधों पर कठोर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई दिखती नजर आनी चाहिए। भविष्य-उन्मुख कौशल और नौकरियों के लिए युवाओं को सक्षम बनाने की जरूरत है। केवल सरकारी नौकरियों के भरोसे रहने की बजाय एआई, डेटा साइंस, ग्रीन एनर्जी और क्रिएटर इकोनॉमी जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं को तैयार किया जाए और गिग-वर्कर्स के लिए न्यूनतम वेतन व सामाजिक सुरक्षा कानून बनाए जाएं। जेन-जी की विचारशैली को डिकोड करने के लिए 'डिजिटल लोकतंत्र' और प्रत्यक्ष संवाद की जरूरत है। युवा संसद और ओपन डेटा पोर्टल इस दिशा में कारगर उपाय हैं। सरकार को नीति निर्माण से पहले युवाओं से सीधे सुझाव लेने के लिए आधुनिक प्लेटफॉर्म युवा-समीक्षा पोर्टल एवं एप्स बनाए जाएं। युवाओं के साथ सीधा और सच्चा संवाद जरूरी है। सरकार के नीति-निर्माताओं, और नौकरशाहों को विश्वविद्यालयों और स्टार्ट-अप हब्स में जाकर युवाओं के सवालों का जवाब देना चाहिए। नीति-निर्माण में युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है। मंत्रालयों में युवा सलाहकार बोर्ड बदलते वक्त की जरूरत हैं। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल और छात्र आत्महत्याओं जैसी त्रासदियों से निपटने के लिए काउंसलिंग के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाना आवश्यक है और कोचिंग संस्थानों के अनियंत्रित व्यावसायीकरण पर नकेल कसना जरूरी है।

जेन-जी की नाराजगी का प्रमुख कारण 'शिक्षित बेरोजगारी' और गिग इकोनॉमी की असुरक्षा है। पारंपरिक नौकरियों के अवसर सीमित हो रहे हैं और जो नए रोजगार जैसे गिग इकोनॉमी या डिलीवरी, राइड-शेयरिंग जॉब्स पैदा हो रहे हैं; उनमें सामाजिक सुरक्षा, पेंशन या दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती सीमा अग्रवाल आ०/पति विनोद अग्रवाल व अन्य 01, जाति निवासी सूरजपुर, छ०ग०, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-पोस्ट ऑफिस रोड़, शीट नम्बर-11क नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3196/27 रकबा 3200 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 31/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका गगन सिंह बग्गा आ०/पति महेन्द्र सिंह बग्गा जाति निवासी देवीगंज रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1078/5 रकबा 0.04 3/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति

स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 29/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

प्रधानमंत्री ने 'नशा मुक्त युवा से विकसित भारत संकल्प अभियान' शुरू किया

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की ताकत भारत के निर्माण में निभाएं अहम 'भूमिका'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा से विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया। नशीले पदार्थों के सेवन के खिलाफ 100 सप्ताह तक चलने वाले इस अभियान में उन्होंने हर नागरिक, खासकर युवाओं से सक्रिय रूप से जुड़ने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश के युवाओं का तन-मन से स्वस्थ, आत्मविश्वास से भरपूर और नशे जैसी घातक आदतों से दूर रहना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह अभियान व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि अभियान का नाम ही इसके संकल्प को स्पष्ट करता है। जब देश ने विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है, तब यह आवश्यक है कि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहें, आत्मविश्वास से भरपूर हों और ड्रग्स जैसी घातक आदत से हमेशा दूर रहें। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी को यह संकल्प लेना होगा कि देश के युवा नशे और ड्रग्स के खतरे को समझें, हर तरह से जागरूक रहें और इससे दूर रहें। उन्होंने कहा कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करती है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका गंभीर असर पड़ता है।

100 सप्ताह का नशामुक्ति अभियान बनेगा जन आंदोलन

युवाओं को नशे के खतरों के प्रति जागरूक रहने का किया आह्वान

युवाओं को बताया 'अमृतपीढ़ी'

प्रधानमंत्री ने कहा कि वे इस बड़े अभियान के लीडर हैं। उन्होंने युवाओं की जागरूकता, समझदारी और कर्तव्यों के प्रति गंभीरता की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि युवा भारत की 'अमृतपीढ़ी' हैं। 20-25 वर्षों में वे अपने जीवन को दिशा देने के साथ 2047 तक देश को विकसित भारत की मंजिल तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि देश को युवाओं की ऊर्जा, कल्पनाशक्ति और प्रतिभा की जरूरत है। इसलिए देश और अपने जीवन के लिए युवाओं का नशामुक्त रहना बेहद जरूरी है।

सामूहिक अभियान से मिलेगी ऊर्जा

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ काम ऐसे होते हैं, जिन्हें व्यक्ति अकेले करने का प्रयास करता है तो निराशा और थकान महसूस हो सकती है। लेकिन जब वही काम सामूहिक अभियान बन जाता है और करोड़ों लोग कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ते हैं, तो उसमें नई ऊर्जा पैदा होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि इसी सामूहिक शक्ति के साथ चलाया जा रहा यह अभियान हर युवा के मन को छुएगा।

100 रविवार होंगे नशामुक्त की दिशा में मजबूत कदम

प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले 100 रविवार 'नशा मुक्त भारत' की दिशा में 100 मजबूत कदम होंगे। उन्होंने कहा कि यदि कोई युवा गलती से नशे की गिरफ्त में आ भी गया है तो इसका मतलब यह नहीं है कि उसके सारे रास्ते बंद हो गए हैं। उन्होंने परिवारों से अपील की कि यदि घर का कोई बच्चा नशे का शिकार हो गया है तो सामाजिक प्रतिष्ठा की आड़ में इसे छिपाया नहीं जाना चाहिए। जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों और चिकित्सा सहायता की मदद लेकर बच्चे को नशे से मुक्त कराने का प्रयास किया जाना चाहिए। साथ ही, परिवार में बच्चों के साथ खुलकर संवाद की संस्कृति विकसित करने पर भी जोर दिया।

◆योग, ध्यान और पुनर्वास केंद्रों की मदद लेनी चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि समाज का सहयोग, योग और ध्यान की ताकत नशे के खिलाफ आंतरिक शक्ति प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आज नशा छोड़ने के लिए पुनर्वास केंद्र जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने युवाओं और परिवारों से जरूरत के अनुसार इन सुविधाओं की मदद लेने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम से स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के हजारों छात्र ऑनलाइन जुड़े हैं।

◆देश के शिक्षाविद नशे के खिलाफ आंदोलन चलाएं

पीएम मोदी ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों से भी अपील की कि वे पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ छात्रों से ड्रग्स के खतरों पर बातचीत करें। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में नशे के खिलाफ जागरूकता का आंदोलन चलाया जाना चाहिए और शिक्षकों के प्रयास इसके सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ अभियान में सरकार मजबूती से युवाओं के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि देश में नशे के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

◆अपनी क्षमता का उपयोग राष्ट्रहित में करें

पीएण मोदी ने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें अपनी क्षमता को बचाकर रखना होगा। उन्होंने कहा कि ड्रग्स कुछ समय के लिए नशा या उत्साह दे सकते हैं, लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम करियर और परिवार दोनों के लिए बेहद नुकसानदायक हो सकते हैं। युवाओं को अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का इस्तेमाल देश के निर्माण और अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए करना चाहिए।

राहुल का डीएमके को संदेश

परिसीमन बिल का समर्थन जनता के साथ धोखा होगा

» सरकार तमिलनाडु की राजनीतिक ताकत छीनने का प्रयास कर रही

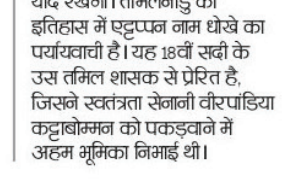

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सभी विपक्षी दलों से संसद में परिसीमन बिल का विरोध करने का आह्वान किया है। राहुल ने कहा कि इस बिल का विरोध हर तमिल और राष्ट्रीय पार्टी को करना चाहिए। अगर कोई इस बिल का समर्थन करता है, तो वह तमिलनाडु की जनता के साथ धोखा करेगा। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार परिसीमन बिल पास करके तमिलनाडु की राजनीतिक ताकत छीनने का प्रयास कर रही है। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि केंद्र सरकार दक्षिण के राज्यों से उनकी राजनीतिक ताकत छीनना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह तमिल लोगों की राजनीतिक ताकत छीनने की एक साजिश है। इसलिए हर एक तमिल पार्टी और राष्ट्रीय पार्टी को संसद में इस परिसीमन विधेयक को नाकाम करने के लिए काम करना चाहिए।

बिल का समर्थन करने वाला जनता को देगा धोखा: राहुल

राहुल ने जोर देकर कहा कि इस बिल का समर्थन करने वाला 21वीं सदी का एट्टप्पन होगा। उन्होने कहा कि जो कोई भी इस बिल का समर्थन करता है, वह तमिलनाडु और राज्य के भविष्य के साथ विश्वासघात करता है। कोई भी राजनीतिक दल या व्यक्ति जो परिसीमन विधेयक को पारित कराने में भाजपा के प्रयास का समर्थन कर रहा है। वह तमिलनाडु के के साथ धोखा कर रहा है। इतिहास उन्हें 21वीं सदी के एट्टप्पन के रूप में याद रखेगा। तमिलनाडु की इतिहास में एट्टप्पन नाम धोखे का पर्यायवाची है। यह 18वीं सदी के उस तमिल शासक से प्रेरित है, जिसने स्वतंत्रता सेनानी वीरपांडिया कट्टाबोम्मन को पकड़वाने में अहम भूमिका निभाई थी।

» डीएमके के रुख में आया बदलाव

डीएमके शुरुआत से ही इस बिल का विरोध करती रही है। विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस द्वारा दिए गए धोखे के बाद उसके रुख में बदलाव देखने को मिल सकता है।अब यह बात सामने आई थी कि डीएमके इस बिल पर केंद्र सरकार को समर्थन देने के बारे में सोच रही है। अगर केंद्र सरकार केवल जनगणना के आधार पर परिसीमन लाने का फैसला करती है, तो इससे तमिलनाडु की नुकसान होगा। इस पर वह समर्थन नहीं करेंगे। लेकिन अगर सभी राज्यों को समान सीटें बढ़ाई जाती हैं और पार्टी के मुद्दों को ध्यान में रखा जाता है। तो पार्टी इस बारे में आगे बात कर सकती है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

एसआईटी चंपत, मिश्रा समेत 200 लोगों से करेगी पूछताछ

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की

एजेंसी ने इस मामले में सिर्फ 8 मुख्य आरोपियों पर ही अपना शिकंजा नहीं कसा है, बल्कि 200 से भी ज्यादा

जाच कर रहा स्पशल इन्वास्टगशन टीम (एसआईटी) की कार्रवाई अब और तेज हो गई है। जांच एजेंसी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय, पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा और गोपाल राव से एक बार फिर पूछताछ करने की तैयारी में है। जांच के दौरान दस्तावेज और शुरुआती बयानों में सामने आए विरोधाभास के बाद यह कदम उठाया जा रहा है।

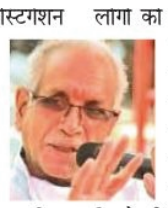

लागा का नाटस जारा किए ह। इन सभी संदिग्धों और गवाहों को समन भेजकर एजेंसी के सामने पेश होने के निर्देश दिए गए हैं। मिश्रा ने निगरानी में चूक की बात स्वीकारते हुए पूरी जिम्मेदारी टिन्नू यादव पर डाली थी, वहीं चंपत राय ने बैंक के साथ हुए समझौतों सुरक्षा व्यवस्था और गिनती की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए थे।

पंजाब कांग्रेस की बैठक में फिर हंगामा

चन्नी लाओ, पंजाब बचाओ के लगे नारे, गुटबाजी सामने आई

एजेंसी ▶▶ बरनाला

पंजाब कांग्रेस में जारी अंतर्कलह

नारे लगाए- चन्नी लाओ, पंजाब बचाओ। यह लगातार दूसरा दिन था जब पार्टी की सभा में इस तरह की

थमन का नाम नहा ल रहा ह। रावबार को एक बार फिर से कांग्रेस नेताओं में गुटबाजी देखने को मिली। पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थकों ने बरनाला में कांग्रेस की बैठक के दौरान उस वक्त हंगामा शुरू कर दिया जब अमरिंदर सिंह राजा बोल रहे थे और पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल भी बैठक में मौजूद थे। इस दौरान चन्नी समर्थकों ने

नारबाजा दखा गइ। बघेल और अमरिंदरपार्टी संगठन को मजबूत करने के जनसंपर्क अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मिलने के लिए रविवार को बरनाला में थे। इनकीउपस्थिति में यह नारेबाजी की गई। बैठक में चन्नी नहीं थे। हालांकि, चन्नी समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

आजादी के 79 वर्ष, एनसीसी का साइक्लोथॉन

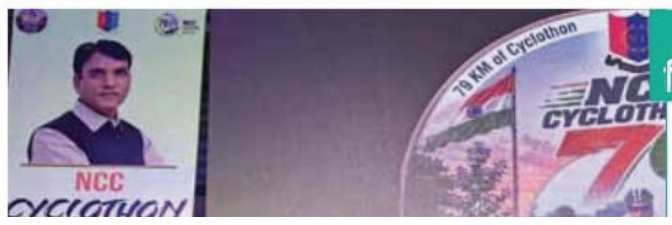

मांडविया ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। एनसीसी ने आजादी के 79 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को नई दिल्ली में

साइक्लोथॉन-2026 का आयोजन किया। 'स्वच्छ भारत, हरित भारत, फिट भारत' थीम पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली के लिए प्रेरित करना था।देशभक्ति, एकता और राष्ट्र सेवा का संदेश दिया गया।केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे हरी झंडी दिखाई।

आम जनता के लिए एम्बुलेंस सर्विस होगी अधिक कुशल व पारदर्शी : परिवहन मंत्री

संवाददाता

ठाणे : राज्य में एम्बुलेंस सर्विस को आम आदमी के लिए ज्यादा कुशल, पारदर्शी, सुरक्षित और आसान बनाने के लिए मोटर व्हीकल डिपार्टमेंट जल्द ही महाराष्ट्र स्टेट एम्बुलेंस पॉलिसी बनाएगा। एम्बुलेंस सिर्फ.ट्रांसपोर्ट का साधन नहीं हैं, बल्कि इमरजेंसी में मरीज की जान बचाने वाली एक जरूरी लाइफलाइन हैं। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि इस पॉलिसी का मकसद राज्य में एम्बुलेंस के रजिस्ट्रेशन से लेकर असल सर्विस, रिस्पॉन्स टाइम, रेट तय करने और हॉस्पिटल तक पहुंचने के सिस्टम को ज्यादा अनुशासित बनाना होगा। नए एमईएमएस 108 पार्टनरशिप प्रोजेक्ट के तहत राज्य में करीब 1,076 एम्बुलेंस चल रही हैं, और करीब 4,500 से 5,000 एम्बुलेंस प्राइवेट हॉस्पिटल, चैरिटी और एनजीओ दे रहे हैं। हालांकि, नागरिकों को इस बारे में लगातार और भरोसेमंद जानकारी होनी चाहिए कि हर एम्बुलेंस कहाँ है, क्या वह उपलब्ध है, मरीज तक पहुँचने में कितना समय लगेगा, उसमें क्या सुविधाएँ हैं और लिए गए किराए के लिए कौन ज़िम्मेदार है। सरनाइक ने कहा कि नई पॉलिसी में इस कमी को दूर किया जाएगा। प्रस्तावित सिस्टम का मकसद नागरिकों के लिए अलग-अलग चार डिजिटल सिस्टम, एम्बुलेंस ड्राइवर, एम्बुलेंस में टैबलेट, साथ ही आरटीओ और हेल्थ डिपार्टमेंट को जोड़ना है। इससे नागरिक सबसे करीब उपलब्ध एम्बुलेंस ढूँढ़ सकेंगे, उसकी सही लोकेशन देख सकेंगे, पहुँचने का अनुमानित समय समझ सकेंगे, वीडियो कॉल के जरिए बेसिक गाइडेंस पा सकेंगे और अनुमानित किराया जान सकेंगे। ड्राइवर के ऐप में ड्यूटी शुरू और बंद करने, कॉल स्वीकार या अस्वीकार करने, गाइडेंस, ट्रेनिंग स्टेटस और कोशिशों को रिकॉर्ड करने जैसे फीचर होने का प्रस्ताव है। एम्बुलेंस में लगे टैबलेट से मरीज की बेसिक जानकारी, जरूरी निशान, इलाज का रिकॉर्ड, हॉस्पिटल से वीडियो कॉन्टैक्ट और एईडी, ऑक्सीजन, सक्शन जैसे जरूरी इक्विपमेंट चेक किए जा सकते हैं। अभी, कई प्राइवेट एम्बुलेंस के रेट साफ तौर पर पब्लिश नहीं होते हैं, जिससे इमरजेंसी में मरीजों के रिश्तेदारों को पैसे की दिक्कत होती है। प्रस्तावित पॉलिसी में हर रजिस्टर्ड एम्बुलेंस के लिए ऐप में रेट शीट पब्लिश करना जरूरी करने का प्रस्ताव है। एआईएस -125 कैटेगरी के हिसाब से ज्यादा से ज्यादा रेट बताने के साथ-साथ, राज्य सरकार नागरिकों को अनुमानित किराए का अंदाजा भी देगी।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती पुष्पा गुप्ता आ०/पति विजय कुमार गुप्ता जाति निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला देवीगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1011/18 रकबा 40.47 वर्गमीटर भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13.08.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 29.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला सरगुजा छ०ग०
ईश्तहार

रा०प्र०क्र० 202607020600091/अ-21/2025-26 एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम कर्रा को सुचित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर जिला सरगुजा (छ०ग०) का ज्ञापन क्रमांक 342/वाचक/2025 अम्बिकापुर दिनांक 03/02/2025 द्वारा आवेदक अजय कुमार आ० भरत प्रसाद, जाति तेली, निवासी मकान नं० 125, मायापुर वार्ड नं० 31, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम कर्रा, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) स्थित ख०नं० 317/922/34 रकबा 1.930 हे० को अनावेदक दीपक गर्ग आ० मदन लाल गर्ग, निवासी कुडला सिटी अम्बिकापुर के पास बिक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति पेश करना हो तो वह दिनांक 11/08/2026 तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 28/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी

तहसीलदार
लुण्ड्रा (धौरपुर)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका विशाखा वर्मा आ०/पति प्रकाश वर्मा जाति, निवासी त्रिकोण चौक केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अमि अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-4 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1951/88 रकबा 0.03 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 30/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका गगन सिंह बग्गा आ०/पति महेन्द्र सिंह बग्गा जाति निवासी देवीगंज रोड़, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 316/6,317/2 रकबा 0.04, 0.04 1/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 29/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती नीलम ठाकुर आ०/पति अरूण ठाकुर जाति नाई, निवासी सत्तीपारा, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला सत्तीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 627/23 रकबा 0.01 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 23/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका प्रकाश वर्मा आ०/पति स्व० अवधेश कुमार वर्मा जाति, निवासी त्रिकोण चौक केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-4 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1951/14 रकबा 0.15 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 30/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-28
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका विजय कुमार गुप्ता आ०/पति स्व० ओंकार लाल गुप्ता व 01 अन्य जाति निवासी केदारपुर,, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला सत्तीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 608/4, 610/2 रकबा 0.10, 0.02 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13.08.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 29.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती वर्षा गुप्ता आ०/पति विशाल कुमार गुप्ता व 01 अन्य जाति निवासी सत्तीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला देवीगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1011/24 रकबा 75.73 वर्गमीटर भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13.08.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 29.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के दो मामलों में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दोनों आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर, । जशपुर पुलिस ने महिलाओं और नाबालिगों के खिलाफ अपराधों पर सख्त कार्रवाई करते हुए अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज दुष्कर्म के दो मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। दोनों मामलों में आरोपियों पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप है।पुलिस के अनुसार पहला मामला थाना कुनकुरी क्षेत्र का है, जहां 27 वर्षीय विधवा महिला की शिकायत पर आरोपी सत्यनारायण राम (30 वर्ष) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के तहत मामला दर्ज किया गया। पीड़िता ने बताया कि पति की मृत्यु के बाद वर्ष 2021 में एक शादी समारोह में उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी।

आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ लगातार दैहिक संबंध बनाए। इस दौरान महिला गर्भवती हुई और उसने एक बच्चे को जन्म दिया। बाद में आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।पुलिस के अनुसार पहला मामला थाना कुनकुरी क्षेत्र का है, जहां 27 वर्षीय विधवा महिला की शिकायत पर आरोपी सत्यनारायण राम (30 वर्ष) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के तहत मामला दर्ज किया गया। पीड़िता ने बताया कि पति की मृत्यु के बाद वर्ष 2021 में एक शादी समारोह में उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी। आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ लगातार दैहिक संबंध बनाए। इस दौरान महिला गर्भवती हुई और उसने एक बच्चे को जन्म दिया। बाद में आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।वहीं दूसरा मामला थाना तपकरा क्षेत्र का है। यहां 15 वर्षीय नाबालिग बालिका के परिजनों की शिकायत पर आरोपी आदर्श भगत (19 वर्ष) के खिलाफ बीएनएस की धाराओं 137(2), 64(2)(द्व), 65(1), 87 तथा पॉक्सो एक्ट की धाराओं 4, 5 और 6 के तहत अपराध दर्ज किया गया। आरोप है कि आरोपी नाबालिग को मेला दिखाने के बहाने मोटरसाइकिल से अपने साथ ले गया और शादी का झांसा देकर तीन दिनों तक अपने घर में रखकर उसका दैहिक शोषण किया। बाद में उसे घर के पास छोड़ दिया।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त हीरो पैशन प्रो मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली।दोनों मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। मामलों की विवेचना जारी है।डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि जशपुर पुलिस महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराधों को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी

21 किलो गांजा बरामद, तस्कर हुए फरार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। फिल्मों जैसी कहानी सोमवार को पत्थलगांव में उस समय देखने को मिली जब उड़ीसा से उत्तर प्रदेश की ओर गांजा लेकर जा रही एक कार पुलिस की घेराबंदी से बचने के प्रयास में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जिस वाहन से गांजा बरामद हुआ, उस पर बड़े-बड़े अक्षरों में ह्लपुलिसह्व और पुलिस का लोगो लगा हुआ था। आशंका है कि तस्कर पुलिस वाहन का रूप देकर बेखौफ तरीके से तस्करी को अंजाम दे रहे थे।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध कार में गांजे की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और वाहन का पीछा शुरू किया। इसी दौरान अंबिकापुर रोड पर गड्ढों से भरी सड़क पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई।हादसे के बाद तस्कर मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस जब तक मौके पर पहुंची, आरोपी गायब हो चुका था। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें रखे बैग से 21 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने गांजा और वाहन को जब्त कर लिया है।जब्त वाहन का नंबर वढ54 अऋ 7976 है। वाहन पर पुलिस का लोगो और ह्लपुलिसह्व लिखा होना पूरे मामले को और भी रहस्यमय बना रहा है। माना जा रहा है कि जांच में इस बात का खुलासा हो सकता है कि तस्कर कब से इस तरीके का इस्तेमाल कर रहे थे और इस गिरोह में कौन-कौन शामिल है।फिलहाल पुलिस फरार तस्कर की तलाश में जुटी हुई है और पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा भी खूब है कि जिस खराब सड़क की वजह से लोग रोज परेशान होते हैं, उसी सड़क के गड्ढों ने इस बार कथित गांजा तस्करी की बड़ी खेप पकड़वाने में अहम भूमिका निभा दी।

महिला ने बॉयफ्रेंड की मां का गला घोंटा:जशपुर में शव को घर में रखा, बदबू आने पर दफनाया; बेटे ने भी दिया साथ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर में 58 साल की हरावती बाई की हत्या मामले में पुलिस ने बेटे और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि हरावती बाई के बेटे का पड़ोस में रहने वाली महिला श्यामपति के साथ अफेयर था। वहीं, जमीन को लेकर दोनों परिवारों में लंबे समय से विवाद चल रहा था।इस बात को लेकर हुए झगड़े में श्यामपति और उसकी मां बुधमति बाई ने गला दबाकर हरावती बाई की हत्या कर दी। वारदात के बाद श्यामपति ने अपने प्रेमी को उसकी मां की हत्या की जानकारी दी और चुप रहने के लिए कहा।इसके बाद आरोपियों ने शव को कई दिनों तक घर में छिपाकर रखा, जब शव से बदबू आने लगी और मामला खुलने का डर सताने लगा तो रात में शव को घर से निकालकर पास में बन रहे आंगनबाड़ी भवन के पास ले गए और रेत में दफना दिया।इस मामले में पुलिस ने रविवार को हरावती बाई के बेटे समेत दो महिलाओं को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामला दोकड़ा चौकी इलाके का है।

पुलिस के मुताबिक, हरावती

बाई (58) अपने बेटे भूषण राम (29) के साथ बंदरचुआ रौतियाबस्ती में रह रही थी। हरावती का पड़ोस में रहने वाली श्यामपति (42) के साथ जमीन विवाद था।जमीन को लेकर आए दिन दोनों में विवाद होता रहता था। वहीं, भूषण राम का श्यामपति के साथ पिछले पांच साल से अफेयर चल रहा था।24 जुलाई 2026 की रात एक बार फिर हरावती और श्यामपति बाई के बीच जमीन को लेकर झगड़ा हुआ। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि श्यामपति और उसकी मां बुधमति ने मिलकर हरावती की गला दबाकर हत्या कर दी।अगले दिन जब भूषण राम को इस घटना की जानकारी मिली तो दोनों महिलाओं ने उसे किसी से भी इस बारे में कुछ नहीं बताने के लिए कहा। वारदात के बाद आरोपियों ने शव को कुछ दिनों तक घर के अंदर ही छिपाकर रखा।कुछ दिन बाद शव से बदबू आने लगी तो तीनों को राज खुलने का डर सताने लगा। इसके बाद भूषण राम, श्यामपति बाई और बुधमति बाई ने रात के अंधेरे में शव को घर से बाहर निकाला। फिर पास में बन रहे आंगनबाड़ी भवन के पास गड्ढा खोदकर शव को रेत में दफना दिया, ताकि सबूत मिटाए जा सकें।

तेज बदबू आने पर खुला राज

30 जुलाई 2026 को बंदरचुआ रौतियाबस्ती में हरावती बाई के घर से तेज बदबू आने लगी। घर पर ताला लगा देखकर आसपास के लोगों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को खबर की। पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम, नायब तहसीलदार की मौजूदगी में जांच शुरू की। तलाशी के दौरान पास ही बन रहे आंगनबाड़ी भवन के पास रेत में दफन एक महिला का शव मिला। शव की पहचान हरावती के रूप में हुई।

बेटे पर शक, हुआ खुलासा

पुलिस को जांच में हरावती के बेटे भूषण राम की हरकतें शक के दायरे में आईं। वह अपनी मां के अंतिम संस्कार में भी मौजूद नहीं था और लगातार घर से दूर रह रहा था। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो पूरा मामला खुलकर सामने आ गया।भूषण राम ने बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाली श्यामपति बाई से पिछले करीब पांच सालों से उसका अफेयर चल रहा था। इसके अलावा उसकी मां हरावती बाई और श्यामपति के परिवार के बीच काफी समय से जमीन को लेकर विवाद भी चल रहा था।

सबूतों के आधार पर गिरफ्तारी

पुलिस ने शव दफनाने में इस्तेमाल हुआ फावड़ा और अन्य सामान बरामद कर लिया है। घटनास्थल की जांच, एफएसएल रिपोर्ट, गवाहों के बयान और आरोपियों के कबूलनामे के आधार पर तीनों की संलिप्तता साबित होने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

2024 बैच के कऋर प्रोबेशनरी अधिकारियों की ट्रेनिंग पोस्टिंग, 5 वनमंडलों में मिली जिम्मेदारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुरः राज्य शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने 2024 बैच के भारतीय वन सेवा के प्रोबेशनरी अधिकारियों की प्रशिक्षण अवधि के लिए अस्थायी पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं. विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार 5 अधिकारियों को प्रदेश के अलग-अलग वनमंडलों में उप वनमंडलाधिकारी (एसडीओ फॉरेस्ट) के पद पर ट्रेनिंग के लिए तैनात किया गया है. शासन की ओर से कहा गया है कि यह व्यवस्था अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी.

2024 बैच के IFS प्रोबेशनरी अधिकारियों की ट्रेनिंग पोस्टिंग

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक वर्तमान में प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय, नया रायपुर में प्रशिक्षणरत भारतीय वन सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को क्षेत्रीय अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न वनमंडलों में भेजा गया है. विभाग का उद्देश्य अधिकारियों को जमीनी स्तर पर वन प्रबंधन, संरक्षण और प्रशासनिक कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है.

इन अधिकारियों की हुई पदस्थापना

उप वनमंडलाधिकारी अंबिकापुर, सरगुजा वनमंडल की जिम्मेदारी

वर्ष 2024 बैच के आईएफएस अधिकारी कुनाल मिश्रा को प्रशिक्षण के लिए सरगुजा वनमंडल के अंबिकापुर में उप वनमंडलाधिकारी के पद पर पदस्थ किया गया है. प्रशिक्षण अवधि के दौरान वे क्षेत्र में वन संरक्षण, वन प्रबंधन और विभागीय कार्यों का व्यावहारिक अनुभव हासिल करेंगे.

उप वनमंडलाधिकारी कटघोरा, कटघोरा वनमंडल की जिम्मेदारी

मुग्जा जालिंदर यादव को प्रशिक्षण के लिए कटघोरा वनमंडल के कटघोरा में उप वनमंडलाधिकारी बनाया गया. यहां वे वन संरक्षण, वन अपराधों की रोकथाम, पौधारोपण और क्षेत्रीय प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारियों से जुड़ा प्रशिक्षण लेंगी.

उप वनमंडलाधिकारी सुकमा, सुकमा वनमंडल की जिम्मेदारी

परख सारडा को सुकमा वनमंडल के सुकमा में उप वनमंडलाधिकारी के रूप में पदस्थ किया गया. प्रशिक्षण के दौरान वन क्षेत्र के प्रबंधन, वन्यजीव संरक्षण और स्थानीय स्तर पर विभागीय योजनाओं के संचालन का अनुभव हासिल करेंगे.

उप वनमंडलाधिकारी उत्तर नारायणपुर, नारायणपुर वनमंडल की जिम्मेदारी

प्रीति यादव को नारायणपुर वनमंडल के उत्तर नारायणपुर में उप वनमंडलाधिकारी के पद पर प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है. यहां वे वन संरक्षण, जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रमों और विभागीय प्रशासनिक कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी.

उप वनमंडलाधिकारी राजनांदगांव, राजनांदगांव वनमंडल की जिम्मेदारी

यशस्वी मौर्या को राजनांदगांव वनमंडल के राजनांदगांव में उप वनमंडलाधिकारी के रूप में पदस्थ किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान वे वन विभाग के फील्ड संचालन, संरक्षण कार्यों और विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन का अनुभव प्राप्त करेंगी.

प्रशिक्षण अवधि तक विशेष व्यवस्था रहेगी लागू

विभागीय आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रशिक्षण पूर्ण होने तक ये सभी अधिकारी संबंधित वनमंडलों में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे. प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद संबंधित उप वनमंडलाधिकारी अपने-अपने पदस्थ वनमंडलों में यथास्थिति कार्यरत रहेंगे. यह पदस्थापना पूरी तरह प्रशिक्षण व्यवस्था के तहत की गई है और आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी.

स्पेशल सेक्रेट्री ने जारी किए आदेश

यह आदेश छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के विशेष सचिव जे.पी. पाठक द्वारा जारी किए गए. आदेश में कहा गया कि भारतीय वन सेवा के नवचयनित अधिकारियों को क्षेत्रीय अनुभव प्रदान करने और वन प्रशासन की व्यावहारिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण पदस्थापना की गई. इससे अधिकारियों को वन संरक्षण, वन्यजीव प्रबंधन, स्थानीय प्रशासन तथा विभागीय कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होगा.

ऐश्वर्या सिंह का चयन दून यूनिवर्सिटी में बैचलर ऑफ डिजाइन ऑनर्स एंड रिसर्च में

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर की छात्रा ऐश्वर्या सिंह को देश की प्रतिष्ठित शासकीय संस्थान दून यूनिवर्सिटी देहरादून में बैचलर ऑफ डिजाइन ऑनर्स एंड रिसर्च में प्रवेश मिला। उनका चयन ऑल इंडिया कैटेगरी में हुआ। ज्ञातव्य हो कि ऐश्वर्या ने उक्त परीक्षा में अपने संकाय हेतु अखिल भारतीय स्तर पर दसवां रैंक प्राप्त किया। ऐश्वर्या प्रतिष्ठित सेवानिवृत्त क्रीड़ा अधिकारी श्री एम. डी. सिंह की पौत्री है। उनके चयन से परिजनों एवं शुभचिंतकों में हर्ष व्याप्त है तथा उन्होंने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की है।

सरस्वती महाविद्यालय एवं शिक्षा महाविद्यालय में 'नशा मुक्त युवा' कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय एवं अणुव्रत समिति के तत्वावधान में, अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के सहयोग से सरस्वती महाविद्यालय एवं शिक्षा महाविद्यालय, सुभाषनगर, अंबिकापुर के प्रांगण में 'नशा मुक्त युवा - विकसित भारत संकल्प अभियान' के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, अंबिकापुर के कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी रहे। विशिष्ट अतिथि जिला संयोजक डॉ. खेमकरण रहे। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अनूप कोचेटा, युवक परिषद के अध्यक्ष रंजीत , अणुव्रत समिति के अध्यक्ष धनराज , सह-व्यवस्थापिका श्रीमती प्रतिमा त्रिपाठी, समिति सदस्य ज्योत्सना पालेकर, अणुव्रत समिति की राज्य प्रभारी मामोल कोचेटा, छत्तीसगढ़ फ्रंट लाइन के संपादक अमर विजय सिंह, दैनिक भास्कर के अमित पांडेय एवं अंकित चौबे सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऋषि सिंह भी उपस्थित रहे।दीप प्रज्ज्वलित कर अणुव्रत गीत के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ । अणुव्रत गीत ज्योत्सना पालोरकर ने सुमधुर आवाज में प्रस्तुत किया।मुख्य अतिथि डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा को शिक्षा, संस्कार, खेल एवं राष्ट्र निर्माण में लगाना चाहिए। नशामुक्त युवा ही सशक्त समाज और विकसित भारत का आधार हैं। आगे वे कहते है मै स्वयं अच्छा जीवन जीता हु इसलिए कह रहा हु। अणुव्रत आंदोलन की प्रशंसा करते हुए आगे भी कार्यक्रम हो अपेक्षित है।राज्य प्रभारी ममोल कोचेटा ने दिया नशामुक्ति का संदेश, और अपने अणुव्रत आंदोलन से जुड़े हर प्रकल्प के अनुभव को साझा किया, और कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, संस्कार और पूरे समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी द्वारा चलाया जा रहा नशामुक्ति अभियान युवाओं में संयमित एवं सकारात्मक जीवनशैली विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत दिलाई गई शपथ

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) के अंतर्गत उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।विशिष्ट अतिथि डॉ. खेमकरण ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। युवाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक कर इसे सामाजिक आंदोलन का रूप देना आवश्यक है। कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नशामुक्ति संबंधी राष्ट्रीय संबोधन का ऑनलाइन लाइव प्रसारण भी किया गया। विद्यार्थियों ने संबोधन से प्रेरणा लेते हुए नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऋषि सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके नैतिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति जागरूकता लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।कार्यक्रम में दोनों महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अणुव्रत समिति के मंत्री महेंद्र बोथरा , कोषाध्यक्ष हनुमान डागा, सह सचिव मनोज बोथरा, सदस्य मदन सेठिया, सदस्य ज्योत्सना पालोरकर उपस्थित रहे।

साहू समाज प्रदेश आईटी सेल के प्रदेश कार्यकारी सदस्य बने प्रवीण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेन्द्र साहू की अनुशंसा तथा आई.टी. सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक द्वारिका साहू द्वारा जारी द्वितीय कार्यकारिणी सूची में जिले से प्रवीण कुमार साहू को प्रदेश कार्यकारी सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी इस नियुक्ति से उनके शुभचिंतकों में हर्ष है। अपनी इस नियुक्ति पर प्रवीण ने प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेन्द्र साहू, आई.टी. सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक द्वारिका साहू, आई.टी. सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी महामंत्री मनीष साहू एवं जिलाध्यक्ष राम लल्लू साहू का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

समाजहित, संगठन की मजबूती तथा डिजिटल माध्यमों से समाज की गतिविधियों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे। जिले एवं प्रदेश के युवाओं को संगठन से जोड़ने, सामाजिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से प्रचारित-प्रसारित करने तथा डिजिटल सशक्तीकरण के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

मदननगर सरपंच की बर्खास्तगी के विरोध में 20 पंचों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

पंच बोले- आदिवासी सरपंच के साथ हुआ अन्याय, प्रशासनिक फैसले पर उठे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मदननगर में सोमवार को उस समय बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक घटनाक्रम सामने आया, जब पंचायत की बर्खास्त सरपंच श्रीमती सुंदरी बाई के समर्थन में पंचायत के 20 निर्वाचित पंच सामूहिक रूप से अपने पद से इस्तीफा सौंप दिया। इस सामूहिक इस्तीफे ने पूरे क्षेत्र की राजनीति और पंचायत व्यवस्था में नई बहस छेड़ दी है। ग्रामीण इसे आदिवासी नेतृत्व के सम्मान से जुड़ा मुद्दा बता रहे हैं, जबकि प्रशासन पहले ही सरपंच को शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में पद से पृथक कर चुका है। पंचों द्वारा एसडीएम एवं विहित प्राधिकारी, प्रतापपुर को सौंपे गए इस्तीफा पत्र में कहा गया है कि ग्राम पंचायत मदननगर की आदिवासी महिला सरपंच को छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 की धारा 40(1)(ख) के तहत असंवैधानिक और विधि-विरुद्ध तरीके से बर्खास्त किया गया है। पंचों का आरोप है कि सरपंच सुंदरी बाई क्षेत्र के आदिवासी किसानों की आवाज उठा रही थीं तथा भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में पांचवीं अनुसूची और पेसा कानून के प्रावधानों का पालन नहीं किए जाने पर उन्होंने आपत्ति दर्ज कराई थी। इसी कारण उनके विरुद्ध कार्रवाई की गई। इस्तीफा देने वाले पंचों ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि सरपंच के खिलाफ की गई कार्रवाई से वे आहत हैं और विरोध स्वरूप स्वेच्छा से अपने पद से त्यागपत्र दे रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से तत्काल प्रभाव से उनके इस्तीफे स्वीकार करने की मांग की है।

यह है पूरा मामला

मदननगर, कनकनगर और जगन्नाथपुर क्षेत्र में प्रस्तावित एसईसीएल भटगांव ओपन कास्ट कोयला परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण एवं डीजीपीएस सर्वे का कार्य किया जा रहा था। प्रशासन के अनुसार 2 और 3 अप्रैल 2026 को सर्वेक्षण के दौरान ग्रामीणों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें सरपंच सुंदरी बाई पर ग्रामीणों का नेतृत्व करने तथा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया गया। प्रकरण की सुनवाई के बाद एसडीएम प्रतापपुर ने उपलब्ध अभिलेखों, गवाहों के बयान और प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर 8 जुलाई को आदेश पारित करते हुए सरपंच सुंदरी बाई को पंचायत राज अधिनियम की धारा 40(1)(ख) के तहत तत्काल प्रभाव से पद से पृथक कर दिया था।

बताया गया है कि सुनवाई के दौरान सरपंच सुंदरी बाई ने प्रशासन के आरोपों से इनकार किया था। उनका कहना था कि ग्रामसभा को सर्वेक्षण की पूर्व सूचना नहीं दी गई थी और न ही उन्होंने ग्रामीणों को उकसाया। उन्होंने यह भी तर्क रखा था कि मदननगर पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में आता है, जहां पेसा कानून लागू है और ग्रामसभा की सहमति एवं सहभागिता आवश्यक है। हालांकि प्रशासन ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की।

20 पंचों की एकजुटता बनी चर्चा का विषय

सोमवार को पंचायत के सभी 20 पंचों द्वारा एक साथ इस्तीफा दिए जाने से पूरे प्रतापपुर क्षेत्र में इस मुद्दे की चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक और सामाजिक हलकों में इसे पंचायत स्तर पर एक बड़ी घटना माना जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इतने बड़े स्तर पर निर्वाचित पंचों का सामूहिक इस्तीफा पंचायत व्यवस्था में असंतोष का संकेत है।

भूमि अधिग्रहण को लेकर पहले से चल रहा है विवाद

मदननगर क्षेत्र में एसईसीएल की प्रस्तावित कोयला परियोजना को लेकर लंबे समय से ग्रामीणों और प्रशासन के बीच मतभेद की स्थिति बनी हुई है। प्रभावित ग्रामीण भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास, मुआवजा तथा ग्रामसभा की भूमिका जैसे मुद्दों को लेकर लगातार अपनी बातें उठाते रहे हैं। अब पंचों के सामूहिक इस्तीफे के बाद यह मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है।

इन पंचों ने सौंपा इस्तीफा

सामूहिक इस्तीफा देने वाले पंचों में सुनीता बेक, अमृता केसरी, हिरामती बेक, रामविनोद खाखा, धनसाय खेस, नन्की आयम, छोटेलाल कुजूर, अजय मिंज, कालीचरण, राधिका करसायल, फूलकुमारी साण्डिल्य, मानती खलखों, धरमजीत मिंज, दीपा टोप्पों, बीगन गिद्ध, करीमन, गीता गिद्ध, अमिला मिंज, करमु खलखों और बिसनी किस्पोट्टा शामिल हैं।

यह पहला अवदर है जब सरपंच के समर्थन में गांव के सभी पंचों ने सामूहिक त्यागपत्र सौपा है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इन सामूहिक इस्तीफों पर क्या निर्णय लेता है और पंचायत में उत्पन्न इस असाधारण स्थिति का समाधान किस प्रकार किया जाता है।

कार व बाईक की आमने सामने भिंड़त, युवक की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बीती शाम जिले के एसईसीएल शिवानी खदान के समीप बंशीपुर में कार और बाईक की हुई आमने सामने भिड़ंत में बाईक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। बताया गया है कि बंशीपुर का 33 वर्षीय गोरेलाल पैकरा रविवार की शाम जरही से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान अंबिकापुर की ओर से जरही जा रही एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और गोरेलाल पैकरा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

भड़के ग्रामीण, पुलिस ने संभाली स्थिति

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना के समय कार में एक दंपति सवार था। हादसे के बाद चालक कार लेकर मौके से भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन क्षतिग्रस्त कार लेकर वह भाग नहीं हो सका।

घटना की सूचना पर भटगांव पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को सड़क से हटवाकर अस्पताल भिजवाया और मुख्य मार्ग पर बाधित यातायात को सुचारु कराया। वहीं हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर चक्का जाम करने की कोशिश की और दोषी चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे। स्थिति को देखते हुए थाना प्रभारी बृजेश सिन्हा स्वयं मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। पुलिस द्वारा कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने जे बाद ग्रामीण शांत हुए और यातायात सामान्य हो सका। सोमवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया जिसके बाद गमगीन माहौल में मृतक का अंतिम संस्कार किया गया।

विद्यालय के लगभग 1 एकड़ भूमि को कराया गया कब्जा मुक्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में जिले में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत पलगी स्थित शासकीय विद्यालय की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रामानुजगंज आनंद राम नेताम के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए लगभग 1 एकड़ भूमि को कब्जा मुक्त कराया।

कार्रवाई के दौरान राजस्व अमला एवं एसडीओपी बाजी लाल एवं पुलिस बल के साथ मौजूदगी में अतिक्रमित भूमि को खाली कराकर विद्यालय परिसर को पुनः शासकीय उपयोग के लिए सुरक्षित किया गया। पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें तथा सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण में प्रशासन का सहयोग करें।

सावन के प्रथम सोमवार को शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

भगवान भोलेनाथ के जयकारे से गुंजायमान हुए मंदिर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सावन मास के प्रथम सोमवार पर सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। दिनभर मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के दर्शन और पूजन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया।।चांदनी बिहारपुर सहित महुली, कोल्हुआ, रामगढ़, कछियापार, तेलाईपाथ, नवाटोला, भुंडा, लूल्ह, जुदवनिया और आसपास के गांवों के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। भक्त अपने साथ गंगाजल, दूध, दही, शहद, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प, फल एवं अन्य पूजन सामग्री लेकर मंदिर पहुंचे और भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की। अनेक श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, अच्छी वर्षा, बेहतर फसल और क्षेत्र में शांति एवं खुशहाली की कामना की।

सावन के प्रथम सोमवार का विशेष महत्व होने के कारण बड़ी संख्या में महिलाओं ने निर्जला एवं फलाहार व्रत रखा। युवतियों ने मनचाहे वर की प्राप्ति तथा विवाहित महिलाओं ने अपने परिवार की खुशहाली और पति की दीर्घायु की कामना करते हुए भगवान भोलेनाथ का पूजन किया। वहीं युवक भी पूरे उत्साह के साथ मंदिरों में पहुंचकर शिव आराधना में शामिल हुए। कई श्रद्धालु सुबह से ही उपवास रखकर पूरे दिन भक्ति में लीन रहे। मंदिर परिसरों में सुबह से शाम तक भजन-कीर्तन, शिव चालीसा और रुद्राष्टक का पाठ होता रहा। घंटियों की मधुर ध्वनि, शंखनाद और शिव मंत्रों के उच्चारण से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर शांतिपूर्वक भगवान शिव के दर्शन किए। मंदिर समितियों और स्थानीय युवाओं ने दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सहयोग किया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

सावन के पवित्र महीने में प्रथम सोमवार को लेकर लोगों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। कई परिवार सुबह से ही सामूहिक रूप से मंदिर पहुंचे और बच्चों को भी धार्मिक परंपराओं से जोड़ने का प्रयास किया। सावन का प्रत्येक सोमवा भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त करने का अवसर होता है और इस दिन सच्चे मन से की गई पूजा-अर्चना से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

जनकल्याणकारी योजनाओं की करें सतत मॉनीटरिंग और भौतिक निरीक्षण : पाटले

समय सीमा की बैठक में जिपं सीईओ ने की विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को जिपं सीईओ विजेन्द्र पाटले की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में उन्होंने शासन की प्राथमिकता वाले कार्य के साथ-साथ केंद्र एवं राज्य पोषित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुँचाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने योजनाओं की सतत मॉनीटरिंग और भौतिक निरीक्षण पर जोर दिया।

बैठक में विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए उन्होंने विभागीय एजेंडा बिंदुओं पर बिंदुवार चर्चा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि एग्री स्टैक के अंतर्गत पंजीयन से छूटे हुए पात्र कृषक बंधुओं के नामों का वाचन ग्राम सभा में कराया जाए, ताकि शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जा सके। जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सक्रिय हितग्राहियों में से अब तक 77 हजार 382 कृषकों का फार्मर रजिस्ट्री में पंजीयन हो चुका है, शेष कृषकों के पंजीयन हेतु ई-केवाईसी, आधार सीडिंग एवं लैंड सीडिंग का कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत

सीईओ ने आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए शेष छूटे हितग्राहियों के कार्ड शीघ्र बनाने के निर्देश दिए। जिले में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह की जाँच में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाने, संपूर्ण टीकाकरण कार्यक्रम में शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने तथा टीबी, मलेरिया एवं डेंगू की रोकथाम हेतु सक्रिय खोज अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में बच्चों के आधार पंजीयन एवं आभा आईडी निर्माण की प्रगति पर चर्चा की गई तथा प्रत्येक शुक्रवार ग्राम पंचायतों में आयोजित हो रहे आधार शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर छूटे हुए बच्चों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति, बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान, पीएम पोषण, सरस्वती सायकल वितरण तथा पीएम श्री योजना की प्रगति पर चर्चा की गई। जिले के विद्यालयों में किचन गार्डन विकसित करने का शेष कार्य सितंबर माह के अंत तक पूर्ण करने तथा समुदाय की सहभागिता से संचालित न्योता भोजन को निरंतर प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण कर प्रत्येक घर तक कार्यशील नल कनेक्शन के माध्यम से जल प्रदाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में नगरीय निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की प्रगति, एसएलआरएम एवं एमआरएफ सेंटर के कार्यों, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के विरुद्ध संस्थापन एवं सब्सिडी भुगतान, मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के प्रशिक्षण लक्ष्य तथा रोजगार मेलों के आयोजन की भी समीक्षा की गई। जिला पंचायत सीईओ ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत समय सीमा के बाद लंबित आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता से निराकरण करने एवं सभी विभाग प्रमुखों को समय सीमा के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा योजनाओं की प्रगति में अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिए।

पिकअप वाहनों में सवारी ले जाने पर होगी सख्त कार्रवाई

स्कूल, महाविद्यालयों में सड़क सुरक्षा के प्रति लाएं जागरूकता : कलेक्टर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर वर्चुअल रूप से जुड़े रहे। बैठक में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के यातायात प्रबंधन एवं सड़क सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

कलेक्टर ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि जिले के चिन्हित ब्लैक स्पॉट और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में तुरंत सुधार कार्य कराएं। कलेक्टर ने कहा कि जहां दुर्घटनाओं की आशंका अधिक रहती है, वहां पर गति नियंत्रण हेतु स्पीड ब्रेकर लगाने के निर्देश दिए, ताकि वाहन चालकों को समय रहते सचेत किया जा सके। कलेक्टर ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित अधिकारियों को कस्टमाइज्ड एवं नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूली वाहनों के विरुद्ध सघन जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी निजी विद्यालयों में स्कूल वाहनों का निरीक्षण करें। कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा कि वाहन चलाकर विद्यालय आने वाले विद्यार्थियों की काउंसलिंग करें तथा इस संबंध में अभिभावकों को भी जागरूक किया जाए। उन्होंने स्कूलों एवं महाविद्यालयों में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

बैठक में कलेक्टर ने संबंधित विभागों को सड़कों के किनारे झाड़ियों की कटाई-छंटाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि वर्षा के कारण जहां सड़कें क्षतिग्रस्त हैं अथवा कटाव के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है, वहां प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत एवं सुधार कार्य शीघ्र कराएं। साथ ही सड़कों पर आवश्यक साइन बोर्ड अन्य सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित करने को कहा, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके।

कलेक्टर ने पिकअप वाहनों में सवारियों के परिवहन पर सख्ती से रोक लगाने तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्री परिवहन के लिए मालवाहक वाहनों का उपयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। ऐसे वाहनों के विरुद्ध नियमित जांच अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। कलेक्टर ने पशुओं से होने वाले सड़क दुर्घटनाओं के लिए सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं के उचित प्रबंधन के लिए आवश्यक निर्देश भी दिये। इस दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा, यातायात व्यवस्था एवं दुर्घटना नियंत्रण के लिए की जा रही कार्रवाई तथा यातायात संबंधी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। इस दौरान ई-डार एवं पीएम राहत से संबंधित प्रकरणों की क्रियान्वयन की जानकारी दी गई। साथ ही प्रभावी संचालन करने के संबंध में आवश्यक जानकारी से अवगत कराया गया तथा सड़क सुरक्षा मित्र, राहगीर योजना की भी जानकारी साझा की गई।

सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में हुई हर-हर महादेव की गूंज

शंकरघाट स्थित शिव मंदिर में तड़के से पूजा-अर्चना के लिए भक्त उमड़े

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर सहित सरगुजा जिले के शिवालयों में श्रावण मास के पहले सोमवार को हर-हर महादेव, जय ओम शिवकारा की गूंज सुनाई दी। अलसुबह से ही श्रद्धालुओं की मंदिरों में खासी भीड़ रही। शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों में दिन भर भक्तों को तांता लगा रहा। भोले भक्तों ने बेलपत्र, फूल, दूध, दही, घी एवं जल से भगवान का अभिषेक किया। सावन के पहले सोमवार को लेकर भक्तों के लिए शहर ग्रामीण क्षेत्र के मंदिरों में तैयारियां दो दिन पहले ही शुरू कर दी गई थी। भक्तों को इसी तरह की कोई परेशानी ना हो इसके लिए समिति द्वारा विशेष व्यवस्था की गई थी।

बता दें कि श्रावण माह की शुरूआत 30 जुलाई से हो गई है। सावन के पहले सोमवार पर मंदिरों में शिवलिंग का दूध, जल, घी, बेलपत्र से श्रद्धानुसार अभिषेक किया गया। शहर के शंकर घाट स्थित शिव मंदिर, जोड़ा पीपल शिव मंदिर, सांड़बार बैरियर, गांधीनगर, नमनाकला, गंगापुर, केंद्रीय जेल के सामने स्थित शिव मंदिर सहित अन्य देवालयों में सुबह से भक्तों की भीड़ लगी रही। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। शंकर घाट के पुजारी ने बताया कि श्रावण मास में सोमवार का विशेष महत्व है। इस दिन को भगवान शिव का स्वरूप माना गया है। श्रावण के महीने में भगवान आशुतोष की पूजा का विशेष महत्व है। जो भक्त प्रतिदिन नियम पूर्वक पूजा न कर सकें, उन्हें श्रावण मास में शिव पूजा और व्रत रखना चाहिए। श्रावण के महीने में जितने भी सोमवार होते हैं, शिवजी का व्रत किया जाता है।

जरही-भटगांव के शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

जरही-भटगांव के प्रमुख शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। हर-हर महादेव, बम-बम भोले और ओम नमः शिवाय के जयघोष से पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का विधि-विधान से पूजा-अर्चना करके परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा, क्षेत्र की खुशहाली और देश की उन्नति की कामना की। सावन के पहले सोमवार के अवसर पर महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई श्रद्धालु सुबह से ही व्रत रखकर मंदिर पहुंचे और भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजन किया। मंदिर परिसर में पूरे दिन शिव भजनों और धार्मिक मंत्रोच्चार की गूंज सुनाई देती रही, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। जरही और भटगांव क्षेत्र के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर समितियों एवं स्थानीय स्वयंसेवकों द्वारा दर्शन व्यवस्था, पेयजल और कतार प्रबंधन की व्यवस्था की गई थी। भक्तों ने शांतिपूर्वक अपनी बारी का इंतजार कर बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए। पूरे दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कई श्रद्धालुओं ने मनोकामना पूर्ण होने पर विशेष पूजा-अर्चना की, जबकि कांवड़ लेकर आए शिवभक्तों ने भी भगवान शिव का जलाभिषेक किया। दिनभर मंदिर परिसर धार्मिक आस्था और भक्ति के रंग में सराबोर रहा।

कैबिनेट मंत्री ने विधि-विधान से किया जलाभिषेक

पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के लखनपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान के साथ पूजन एवं जलाभिषेक किया। श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की आस्था, श्रद्धा और भक्ति से सराबोर रहा।

हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोषों के बीच मंत्री राजेश अग्रवाल ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर जल, दुग्ध, बेलपत्र, धतूरा, पुष्प, भस्म एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित की तथा प्रदेश की समृद्धि एवं जनकल्याण के लिए विशेष प्रार्थना की। उन्होंने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ भी आत्मीय संवाद किया और सभी को श्रावण मास की शुभकामनाएं दीं। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का सर्वाधिक पुण्यदायी और आध्यात्मिक महत्व वाला काल है। भगवान भोलेनाथ करुणा, त्याग, लोककल्याण, समानता और सकारात्मक ऊर्जा के प्रतीक हैं। उनकी कृपा से प्रत्येक परिवार में सुख-समृद्धि का वास हो, किसानों की मेहनत रंग लाए, युवाओं को उज्ज्वल भविष्य मिले, समाज में भाईचारा और सद्भाव बना रहे तथा छत्तीसगढ़ निरंतर विकास और प्रगति के नए आयाम स्थापित करे, यही मेरी कामना है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

शिवधामों की ओर रवाना हुए भक्त

शहर के शंकर घाट स्थित शिव मंदिर में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का दूध, घी, शहद सहित से जलाभिषेक किया। यहां देर शाम तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कई भक्त उपवास रहकर भगवान शिव की भक्ति में लीन रहे। युवतियां मंदिर और घरों में पूजा के बाद व्रत रखकर परिवार के सुख शांति की कामना कीं। भक्त शंकरघाट से जल उठाकर, संकल्प लेकर कई शिवधाम की ओर रवाना हुए।

वेतन विसंगति दूर करने और पदोन्नति को लेकर पटवारियों ने किया सांकेतिक प्रदर्शन

कहा-सम्मान की लड़ाई लड़ रहे, राजस्व संबंधित कामों पर पड़ा प्रभाव

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजस्व पटवारी संघ, छत्तीसगढ़ के आव्हान पर लंबित मांगों को लेकर सरगुजा जिले के पटवारियों ने एक दिवसीय सांकेतिक धरना दिया। पटवारियों का कहना है कि वे वर्षों से वेतन विसंगति, पदोन्नति और सम्मान की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन शासन द्वारा अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। पटवारियों की हड़ताल से जिले भर में राजस्व से संबंधित कई काम प्रभावित हुए। इन्होंने कहा जहां एक ओर राजस्व निरीक्षकों से कमी पर सीमांकन का कार्य प्रभावित हो रहा है, वहीं शासन स्तर से पटवारियों को पदोन्नति का लाभ नहीं दिया जा रहा है। पटवारियों की मुख्य मांगों में पदोन्नति और वेतन विसंगति दूर करना है। पटवारी संघ सरगुजा के जिला अध्यक्ष संतोष अग्रवाल ने बताया कि 2010 बैच के पटवारियों को 01-07-2025 की स्थिति में आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कोष एवं लेखा सत्यापन में समस्या के साथ रिकवरी जैसे हालातों से जूझना पड़ रहा है। मांग की है कि वेतन संरचना के मूल सिद्धांत के अनुरूप ग्रेड पे में वृद्धि के अनुरूप बेसिक वेतन में बढ़ोतरी होनी चाहिए। पटवारियों के पदोन्नति की कोई समय सीमा निर्धारित नहीं है। संघ ने मांग की है कि राजस्व निरीक्षक के रिक्त पदों पर पदोन्नति वरिष्ठता के आधार पर दी जाए। राजस्व निरीक्षक के पद पर सीधी भर्ती बंद हो। इससे पटवारियों का भविष्य सुरक्षित होगा और उनके अनुभव का सही उपयोग हो सकेगा। पदोन्नति प्रक्रिया शुरू होने से कार्य प्रणाली में पारदर्शिता आएगी और मेहनत व लगन को सम्मान मिलेगा। संघ के जिला अध्यक्ष ने कहा कि, पटवारियों के पदोन्नति का एक समयसीमा निर्धारित किया जाना चाहिए। अगर शासन उनकी मांगों के प्रति गंभीर नहीं होती है तो, आगामी रूपरेखा के अनुरूप क्रमिक व अनिश्चितकालीन आंदोलन की राह पर वे जा सकते हैं।

आरआई की परीक्षा पास करने के बाद नहीं मिली पदोन्नति

हड़ताल में पहुंचे सेवानिवृत पटवारी दयाराम सिंह ने बताया कि, 1988 में उनकी नियुक्ति पटवारी के पद हुई थी, और पे पटवारी के पद पर सेवा देते सेवानिवृत हो गए, जबकि उन्हें कम से कम नायब तहसीलदार बनकर सेवानिवृत होना था। उन्होंने बताया कि वर्ष 1999 में उन्होंने राजस्व निरीक्षक के लिए होने वाली परीक्षा भी उत्तीर्ण कर ली थी, लेकिन उन्हें पदोन्नति का लाभ शासन स्तर पर नहीं मिल पाया।

राशन वितरण में अनियमितता और नियमित राशन दुकान नहीं खुलने से उपभोक्ता परेशान

अंत्योदय कार्डधारकों को 4 माह से नहीं मिल रहा शक्कर, खाद्य अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के मौलाना अब्दुल कलाम आजाद मंडल के विभिन्न वार्डों में राशन वितरण में अनियमितता और नियमित रूप से राशन दुकान के नहीं खुलने को लेकर सोमवार को एक प्रतिनिधि मंडल ने मंडल अध्यक्ष निकी खान के नेतृत्व में जिला खाद्य अधिकारी से मुलाकात करके ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल में अंबिकापुर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह धंजल एवं कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष मो. इस्लाम के साथ पार्षद मो. हसन एवं मो. बाबर भी शामिल थे।

जिला खाद्य अधिकारी से मुलाकात का मुख्य मुद्दा एपीएल वर्ग को चावल और शक्कर वितरण नहीं होने के साथ बायोमैट्रिक ओटीपी बंद होने से उत्पन्न समस्याओं की ओर ध्यान दिलाना था। ओटीपी व्यवस्था बंद होने और मात्र बायोमैट्रिक मिलान को आधार बनाए जाने के कारण कई वृद्ध अपना राशन नहीं उठा पा रहे हैं। प्रतिनिधि मंडल ने अंत्योदय कार्डधारकों को 4 माह से शक्कर वितरण नहीं होने के साथ ही साथ एपीएल कार्डधारकों को चावल का वितरण नहीं होने की शिकायत भी दर्ज कराई है। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि समितियों के द्वारा क्षेत्र के राशन दुकानों को नियमित रूप से नहीं खोला जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। खाद्य अधिकारी ने प्रतिनिधि मंडल को समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधि मंडल में मंडल अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सिंह एवं सौरभ फिलिप के साथ ही काजू खान, विजय सोनी, शमसु अंसारी, अब्दुल वाहिद, अजहर मंसूरी, मो औरंगजेब आदि भी शामिल थे।

बाक्साईड खाली करते समय ट्रक को पलटते देख कूदा चालक, पत्थर में गिरने से हुई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बाक्साइट खाली करते समय चालक को ट्रक के पलटने का आभास हुआ और वह कूद गया। इस दौरान पत्थर के ऊपर गिरकर वह जख्मी हो गया था। अंबिकापुर लाते तक उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, वेस्ट बंगाल के चुनचुरा चंदन नगर का सौरव कुमार घोष पिता समर कुमार घोष 40 वर्ष, सरगुजा जिला के बतौली थाना अंतर्गत ग्राम सिलसिला में स्थित मां कुदरगढ़ी एलुमिना प्लांट में एसजी कंपनी में हाइवा, डंफर चलाता था। रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात करीब 2.50 बजे वह 18 चक्का वाहन में बॉक्साईड लोड करके पहुंचा और हाइड्रोलिक से ट्राला उठाकर बॉक्साईड अनलोड कर रहा था। इसी दौरान ट्रक के एक ओर पलटने का एहसास हुआ और वह ट्रक से बाहर कूदा और पत्थर पर गिरकर जख्मी हो गया। साथ में मौजूद सहयोगी उसे अन्य लोगों के सहयोग से शांतिपारा, बतौली स्वास्थ्य केन्द्र ले गया। यहां से रिफर करने पर सोमवार की सुबह वे उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध, जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का पूरा परिवार वेस्ट बंगाल में ही रहता है, उन्हें घटना की जानकारी साथी ने दी है। पुलिस मामले में मर्ग कायम करके अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

दुष्कर्म और 6.5 लाख की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

थाना मणीपुर पुलिस की कार्रवाई, आरोपी को भेजा जेल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और 6 लाख 50 हजार रुपये ठगने के मामले में थाना मणीपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मूलतः बलौदाबाजार जिले का निवासी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने थाना पुरानी बस्ती रायपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 24 अप्रैल से 03 जुलाई के बीच परमेश्वर साहू पिता हरलाल प्रसाद साहू, निवासी छाछी, थाना कसडोल, जिला बलौदाबाजार ने शादी करने का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म किया। इसी दौरान आरोपी ने पीड़िता से 6 लाख 50 हजार रुपये भी ले लिए। रिपोर्ट पर थाना पुरानी बस्ती रायपुर में शून्य में अपराध कायम किया गया। अग्रिम विवेचना के लिए डायरी थाना मणीपुर अंबिकापुर भेजी गई। यहां मामले में धारा 69, 351(3) बी.एन.एस. पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने पीड़िता के कथन लेखबद्ध किया और आरोपी की पतासाजी शुरू की। थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक सी.पी. तिवारी के नेतृत्व में गठित टीम ने लगातार प्रयास कर आरोपी परमेश्वर साहू को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने अपराध सबूत पाए जाने पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, और जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक सी.पी. तिवारी, महिला प्रधान आरक्षक मालती तिवारी एवं अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सृष्टि के कण-कण में ईश्वर की उपस्थिति का संदेश देता है गीता का विभूति योग

महामना मालवीय मिशन सरगुजा द्वारा आध्यात्मिक संगोष्ठी एवं गीता पाठ का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महामना मालवीय मिशन सरगुजा के तत्वावधान में नगर की साहित्यकार डॉ. पुष्पा सिंह के निवास पर आध्यात्मिक संगोष्ठी एवं श्रीमद्भगवत गीता के दशम अध्याय विभूति योग का सामूहिक पाठ आयोजित किया गया। संगोष्ठी में नगर के विद्वानों, प्रबुद्ध नागरिकों एवं गीता प्रेमियों ने सहभागिता कर विभूति योग के आध्यात्मिक, दार्शनिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर विचार व्यक्त किए।

वक्ताओं ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता का दसवां अध्याय भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का अत्यंत महत्वपूर्ण अध्याय है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण अपनी दिव्य विभूतियों का वर्णन करते हुए बताते हैं कि सृष्टि का प्रत्येक श्रेष्ठ, सुंदर, तेजस्वी और कल्याणकारी स्वरूप उसी परम चेतना की अभिव्यक्ति है। यह अध्याय मनुष्य को ऐसी दृष्टि प्रदान करता है जिससे वह संपूर्ण सृष्टि में ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव कर सके। अवकाश प्राप्त पुलिस अधीक्षक ललित मोहन तिवारी ने कहा कि विभूति योग का मूल संदेश है कि, ईश्वर किसी एक स्थान, रूप अथवा प्रतीक तक सीमित नहीं हैं। वे समस्त सृष्टि के मूल कारण, आधार और संचालक हैं। जहां कहीं भी शक्ति, ज्ञान, सौंदर्य, करुणा और तेज दिखाई देता है, वह उसी परम सत्ता के दिव्य तेज का अंश है। राम नारायण शर्मा ने कहा कि विभूति योग मनुष्य को यह बोध कराता है कि संपूर्ण ब्रह्मांड का संचालन एक ही परम चेतना द्वारा हो रहा है। इस सत्य का बोध मनुष्य के मोह, भ्रम और संशय को समाप्त कर आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। ब्रह्मशंकर सिंह ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने विभूति योग में पर्वतों में हिमालय, नदियों में गंगा, वृक्षों में अश्वत्थ, ऋषियों में नारद, योद्धाओं में श्रीराम तथा ज्ञानियों में वेदव्यास को अपनी विशेष विभूतियां बताया है। इससे स्पष्ट होता है कि संसार की प्रत्येक श्रेष्ठता परमात्मा की महिमा का ही एक अंश है। डॉ. वी.के. सिंह ने कहा कि जब मनुष्य प्रत्येक श्रेष्ठता में ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करने लगता है, तब उसके भीतर अहंकार के स्थान पर विनम्रता, श्रद्धा और संवेदनशीलता का विकास होता है। कार्यक्रम की आयोजिका डॉ. पुष्पा सिंह ने कहा कि विभूति योग का महत्वपूर्ण उद्देश्य भक्ति और ज्ञान का समन्वय स्थापित करना है। सुनील दत्त पाण्डेय ने कहा कि ज्ञान सत्य का बोध कराता है, जबकि भक्ति उसे आत्मीय रूप से जोड़ती है। दोनों का संतुलन ही जीवन को पूर्णता प्रदान करता है। जय प्रकाश चैबे ने कहा कि बुद्धि, ज्ञान, क्षमा, सत्य, संयम, दान, धैर्य जैसे मानवीय गुण भी उसी परम सत्ता से उत्पन्न होते हैं। देवेन्द्र नाथ दुबे ने कहा कि ईश्वर की अनुभूति दृष्टिकोण के परिवर्तन से संभव होती है। रणविजय सिंह तोमर ने कहा कि वर्तमान भौतिकवादी युग में विभूति योग का संदेश अत्यंत प्रासंगिक है। कार्यक्रम का संचालन राज नारायण द्विवेदी' ने किया। उन्होंने कहा कि गीता का यह अध्याय श्रद्धा, समरसता, पर्यावरण चेतना और आध्यात्मिक जीवन-दृष्टि का अद्वितीय संदेश देता है। संगोष्ठी में डॉ. जी.डी. अग्रवाल, हरिशंकर सिंह, मदनमोहन मेहता, प्रकाश कश्यप, अशोक सोनकर, सच्चिदानंद पाण्डेय सहित मिशन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समापन सामूहिक प्रार्थना एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोप में युवक गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लज्जा भंग करने के आशय से नाबालिग से छेड़छाड़ करने के मामले में थाना कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी सरगुजा जिले के ही ग्राम करम्हा का निवासी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नाबालिग ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 02 अगस्त को ग्राम करम्हा निवासी गौतम राम उर्फ सटेल ने उसे अकेली पाकर लज्जा भंग करने के उद्देश्य से जबरन छेड़छाड़ किया। पीड़िता मौके से भागकर अपने स्वजन को घटना की जानकारी दी। पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में धारा 74, 75(2), 76 बी.एन.एस. एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 8, 12 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपी की पतासाजी की। थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा के नेतृत्व में गठित टीम ने सतत प्रयास कर आरोपी गौतम राम उर्फ सटेल 40 वर्ष, निवासी ग्राम करम्हा को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार किया है। कार्रवाई में प्रशिक्षु उप निरीक्षक आशी झा, महिला प्रधान आरक्षक राधा यादव, प्रधान आरक्षक सूरज राय, आरक्षक परवेज फिरदोसी सक्रिय रहे।

कीटनाशक का सेवन किए ग्रामीण की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जमगला निवासी एक ग्रामीण ने कीटनाशक का सेवन कर लिया, उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामलें पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के अनुसार मुताबिक, हिम्मत रवतिया 48 वर्ष, पिता रमेशर रवतिया, निवासी ग्राम जमगला लंबे समय से शराब का सेवन कर रहा था। वह 26 जुलाई से लगातार शराब का सेवन कर रहा था। परिवार के सदस्यों ने उसे कई बार समझाया लेकिन वह शराब पीना नहीं छोड़ा। बुधवार को वह शराब का सेवन करने के बाद घर में रखे कीटनाशक का सेवन कर लिया। स्वजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर लेकर पहुंचे, यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया। यहां पिछले 4 दिनों से उसका उपचार चल रहा था। रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

पीजी कॉलेज में एलएलबी की सीटें 240 करने की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, अंबिकापुर के अध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता एवं उपाध्यक्ष गौतम गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकारिणी सदस्य, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक परिषद, बिलासपुर के अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर शासकीय राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज, अंबिकापुर में संचालित एलएलबी पाठ्यक्रम की सीटें पूर्व की भांति 120 से बढ़ाकर 240 किए जाने की मांग की गई। प्रदेश युवा कांग्रेस आरटीआई अध्यक्ष हिमांशु जायसवाल के मार्गदर्शन में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि, राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज सरगुजा संभाग का प्रमुख विधि महाविद्यालय है, जहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एलएलबी में प्रवेश के लिए आवेदन करते हैं। वर्तमान में सीटों की संख्या केवल 120 होने के कारण अनेक योग्य एवं इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। पहले महाविद्यालय में 240 सीटें स्वीकृत थीं, जिससे अधिक विद्यार्थियों को विधि शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलता था। सरगुजा संभाग के पांच जिलों में यह प्रमुख लॉ कॉलेज होने के कारण दूर-दराज के विद्यार्थियों के लिए अन्य स्थानों पर जाकर अध्ययन करना आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से कठिन होता है। विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए एलएलबी की सीटें 240 करने की आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक परिषद से छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने एवं आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। इस दौरान मुख्य रूप से संजर नवाज, पृथ्वी नायक, काश्मीर पटेल, अमन, अभिषेक, प्रिंस एवं अन्य साथी उपस्थित रहे।

साहू समाज आईटी सेल में अमित गुप्ता को प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के आईटी सेल प्रकोष्ठ में बलरामपुर के अमित गुप्ता मंटू को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेन्द्र साहू की अनुशंसा पर आईटी सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक द्वारिका साहू द्वारा जारी द्वितीय कार्यकारिणी सूची में की गई। नियुक्ति पर अमित गुप्ता मंटू ने प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेन्द्र साहू, सहित प्रदेश पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। संगठन को और सशक्त बनाया जाएगा।

गौहत्या करके मांस बेचने के पहले पहुंचे ग्रामीण, 4 नामजद सहित अन्य के खिलाफ केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सीतापुर थाना क्षेत्र में गौहत्या कर मांस बेचने की तैयारी के मामले में ग्रामीण की शिकायत पर पुलिस ने चार नामजद समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम मुलाजिमपारा, सीतापुर निवासी अनिल दास ने शिकायत दर्ज कराई है कि 2 अगस्त की शाम करीब 6 बजे उसे सूचना मिली कि ग्राम तेन्दुखार के लिचिरमा स्थित कुंदन के खेत के पास कुछ लोग गौहत्या कर उसका मांस बिक्री के लिए रखे हुए हैं। वह भवानी सिंह, शैलेश सिंह और वशिष्ठ दास के साथ मौके पर पहुंचा, तो यहां मौजूद लोग गौमांस छोड़कर भाग गए। शिकायतकर्ता ने भागते हुए रामकुमार केरकेट्टा, बाबूलाल, चंदेश्वर और मुगुल को पहचाना, जबकि अन्य लोगों की पहचान नहीं हो सकी। शिकायत पर सीतापुर पुलिस ने चारों नामजद सहित अन्य के विरुद्ध बीएनएस की धारा 325 तथा छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 4, 5 और 10 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर